Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

• अंक : 225 • वर्ष : 12 • रायपुर, मंगलवार 25 फरवरी 2025 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 3 रूपए • संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

प्रतिभा अपना कर्म स्वयं निर्धारित करती है।

Talant evaluate his path at his own.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

बजट सत्र की हुई शुरुआत | **राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ की 6वीं विधानसभा के पंचम सत्र को किया संबोधित**

ट्रिपल इंजन की सरकार करेगी विकास : रमेन डेका

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा के बजट सत्र का सोमवार को पहला दिन था. राज्यपाल रमेन डेका के अभिभाषण के साथ सत्र की शुरुआत हो हुई। राज्यपाल रमेन डेका ने अभिभाषण में कहा कि विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़ के लिए सरकार काम कर रही है. अटल जी ने छत्तीसगढ़ का निर्माण किया. पिछले 25 सालों में प्रदेश अनेक विकास के काम हुए हैं. राज्यपाल ने कहा कि सरकार विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प लेकर काम कर रही है. सरकार अपने काम का लेखा-जोखा पेश करेगी. अर्बन एरिया के लिए नई सरकार चुनी गई है. अब प्रदेश में तीसरे इंजन की सरकार बन गई है. इस बार क्षेत्र की जनता को अपने यहां मेयर का चुनाव करने के लिए प्रत्यक्ष प्रणाली का मौका मिला है. स्टार्टअप में बेहतर योजना से युवाओं को लाभ मिल रहा है.

बस्तर में अंतिम सांस ले रहा है नक्सलवाद : राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि हमारे जवानों के हौसले से आज बस्तर में नक्सली अंतिम सांस ले रहे है.राज्यपाल ने साय सरकार के काम-काज की तारीफ की और कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद खात्मे की ओर है. सरकार ने डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया है.

किसानों के जीवन में खुशहाली : अभिभाषण के दौरान राज्यपाल ने कहा कि खेतीहर मजदूरों के साथ न्याय हुआ है. किसानों के जीवन में खुशहाली आई है.किसानों को फसल का उचित दाम दिया जा रहा.राज्य में खेती को बढ़ावा मिल रहा है. जैविक खेती, जलवायु परिवर्तन पर काम हो रहा है.

छत्तीसगढ़ का बजट : 24 बरस में 5700 से डेढ़ लाख करोड़ पहुंचा : मध्य प्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य बने 25 साल से अधिक हो गए। इस साल वार्षिक बजट का आकार पौने दो लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच चुका है यानी करीब 30 गुना से ज्यादा बढ़ चुका है। जाहिर है, आने वाले साल में बजट लगभग दो लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच जाएगा। मूल बजट के अलावा हर साल अनुपूरक बजट भी पेश होते रहे हैं, इसलिए सालाना आंकड़ा तेजी से उछले। राज्य बनने के बाद बजट 5700 करोड़ रुपए से शुरू हुआ था। 1 नवंबर 2000 को मध्य प्रदेश से अलग कर छत्तीसगढ़ नया राज्य बनाया गया, जिसके बाद कांग्रेस नेता अजीत जोगी के नेतृत्व में राज्य की पहली सरकार बनी थी। तब से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के बजट का इतिहास दिलचस्प रहा है।

छत्तीसगढ़ के ज्यादातर बजट मुख्यमंत्री ने ही पेश किए हैं। छत्तीसगढ़ के इन 25 सालों के इतिहास पर एक नजर डालें, तो कोरिया राजघराने से तालुक रखने वाले स्व. डॉ. रामचंद्र सिंहदेव राज्य के पहले वित्त मंत्री थे। इन्होंने बतौर वित्त मंत्री 3 बार छत्तीसगढ़ का बजट पेश किया था। रामचंद्र सिंहदेव ने 2001-02 में कुल 7 हजार 294 करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। 2002-03 तक में 8 हजार 471 करोड़ के आम बजट के साथ एक अनुपूरक बजट पेश किया था। 2003-04 तक में 9 हजार 978 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। साथ ही दो अनुपूरक बजट भी पेश किया गया था। उसके बाद भाजपा सरकार आने पर 15 साल तक बजट के आकार में हर साल 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। फिर 2019-20 से कांग्रेस सरकार पे पांच साल बजट पेश किया।

डॉ. रमन सिंह ने अपने कार्यकाल का पहला बजट पेश किया। 2007 से लेकर 2018 तक रमन सिंह ने वित्त विभाग को अपने पास रखा और हर साल बतौर सीएम वे बजट पेश करते रहे। इस तरह रमन सिंह ने कुल 12 बार बजट पेश किया। 2018-19 में अंतिम बजट पूश किया। उनके कार्यकाल के दौरान बजट में मूल रुप से अधोसंरचना विकास पर फोकस रहा।

विधानसभा के समिति कक्ष में हुई कार्य मंत्रणा समिति की बैठक

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने से पहले कार्य मंत्रणा समिति की बैठक विधानसभा के समिति कक्ष में आयोजित की गई. इस बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने की. बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओपी चौधरी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे. बैठक के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विधानसभा के बजट सत्र की आज शुरुआत हो रही है. पिछली बार के समावेशी बजट से मोदी की गारंटी को पूरा किया गया था. इस बजट सत्र में कल्याणकारी, समावेशी बजट आने वाला है. सरकार अटल बिहारी वाजपेयी के हर संकल्प को पूरा करेगी. सीएम ने कहा कि ट्रिपल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ में बन गई है.अब नगरीय क्षेत्रों में विकास कार्यों में सरकार गति लाएगी. अगला विधानसभा का सत्र नए भवन में होगा.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'पीएम किसान सम्मान योजना' की 19वीं किस्त जारी की

'महाकुंभ' को गाली देने वालों को कभी माफ नहीं करेगा बिहार : पीएम मोदी

बिहार (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बिना किसी का नाम लिए विरोधियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने महाकुंभ पर सवाल उठाने वाले लोगों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अयोध्या के राम मंदिर से चिढ़ने वाले अब महाकुंभ को भी कोस रहे हैं। जो लोग पशुओं का चारा खा सकते हैं, वे किसानों की भलाई नहीं सोच सकते। उन्होंने बिहार के भागलपुर में पीएम किसान सम्मान समारोह में आए लोगों को संबोधित करते हुए राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव पर सियासी हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग पशुओं का चारा खा सकते हैं, वे किसानों की भलाई नहीं सोच सकते।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां से देशभर के किसानों को खुशियों की सौगात देते हुए पीएम किसान सम्मान योजना की 19वीं किस्त जारी की। इसके तहत 9.7 करोड़ से अधिक किसानों को 21,500 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी गई। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार किसानों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। लाल किले से मैंने कहा है कि विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभ हैं, जिनमें गरीब, हमारे अन्नदाता किसान, हमारे नौजवान और नारी शक्ति हैं। एनडीए सरकार चाहे केंद्र में हो या फिर यहां नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार हो, किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता में है। पहले जब बाढ़ आती थी, सूखा पड़ता और ओला पड़ता था, तो ये लोग किसानों को अपने हाल पर छोड़ देते थे। साल 2014 में जब आपने एनडीए को आशीर्वाद दिया, तब पीएम फसल बीमा योजना बनाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हो या जंगलराज वाले हों, इनके लिए आप किसानों की तकलीफ कोई मायने नहीं रखती। हमने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी शक्ति से काम किया है। किसानों को खेती के लिए अच्छे बीज की व्यवस्था हो, पर्याप्त और सस्ती खाद या किसानों को सिंचाई की सुविधा, सभी क्षेत्रों में काम किए गए। पशुओं की बीमारी और आपदा से बचाव के लिए भी काम किए गए। उन्होंने महाकुंभ की चर्चा करते हुए कहा कि एनडीए गौरवशाली विरासत के संरक्षण और वैभवशाली विकास को लेकर काम कर रही है। कुछ लोगों को धरोहरों और आस्था से भी नफरत है। प्रयागराज में आजकल एकता का महाकुंभ चल रहा है। इस एकता के महोत्सव में लोग डुबकी लगा रहे हैं। अब तक यूरोप की जितनी जनसंख्या है, उतने लोग डुबकी लगा चुके हैं। लेकिन, कुछ लोग इसे भी गाली दे रहे हैं।

प्रोटेम स्पीकर बने अरविंदर सिंह लवली, एलजी सक्सेना ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा का तीन दिवसीय सत्र शुरू हो चुका है। भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली ने नवगठित विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ ली। विधानसभा की पहली बैठक से पहले लवली को राज निवास में एलजी विनय कुमार सक्सेना ने यह शपथ दिलाई। सदन के सबसे वरिष्ठ विधायकों में से एक लवली अब नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाएंगे। बाद में नए स्पीकर का चुनाव होगा और इस पद के लिए भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता को चुना जा सकता है।

'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 19 वीं किश्त वितरण एवं किसान सम्मान समारोह कृषि विज्ञान केंद्र बिलासपुर में सम्पन्न

बिलासपुर (विश्व परिवार)। 24 फरवरी 2025 को कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर के सभागार में माननीय श्री तोखन साहू, केन्द्रीय राज्यमंत्री आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, के मुख्य आतिथ्य में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जारी की जा रही किसान सम्मान निधि की 19 वीं किश्त एवं किसान सम्मान समारोह भागलपुर बिहार मे आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के 500 किसानों के समक्ष किया गया। किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त के रूप में 1,04,977 किसानों के खाते में 26,17,00,000 रुपए की राशि सीधे हस्तानांतरित की गई।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सफलतापूर्वक 6 वर्ष पूर्ण होने पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के किसान की ओर आभार व्यक्त किया। श्री साहू ने कहा कि पीएम किसान योजना ने देश के करोड़ों किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। 6 वर्षों में, इस योजना के तहत 3.68 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंचाई गई है। यह प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरदर्शी नीति और किसानों के प्रति उनकी गहरी संवेदनशीलता को दर्शाता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर में उपस्थित किसानों को केन्द्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने बधाई दिया। साथ ही कहा कि पुराने जमाने में जब किसानों को केन्द्र सरकार पैसे भेजती थी तो उन्हें 1 रू. के जगह मे 15 पैसे मिलता था, परंतु वर्तमान की सरकार और हमारे प्रधानमंत्री जितना रूपये किसानों के लिए भेजते हैं, वो उतना ही पूरा 100 प्रतिशत रूपये किसानों के खातों पर सीधे पहुंचता है। माननीय मंत्री महोदय ने भारत सरकार द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी तथा कृषकों से लाभ लेने का आग्रह किया। केन्द्र एवं राज्य शासन किसान हित में विभिन्न योजनाएं चला रही है, जिसका लाभ किसानों को सीधे तौर पर मिल रहा है। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की तथा किसानों को वैज्ञानिकों से अधिक जुड़ाव करने हेतु प्रेरित किया।

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भोपाल में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया और उद्योग, स्टार्टअप और अन्य पर मध्य प्रदेश सरकार की 18 नीतियों का अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही मध्य प्रदेश को निवेश ङ्क केंद्र बनाएगी। मोदी ने कहा कि विकसित मध्य प्रदेश से विकसित ङ्क भारत की यात्रा में आज का ये कार्यक्रम बहुत अहम है। इस भव्य आयोजन के लिए मैं मोहन यादव जी और उनकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए इतनी आशावादी है। पूरी दुनिया में चाहे सामान्य जन ही, अर्थनीति के विशेषज्ञ हो, विभिन्न देश हो या फिर संस्थान इन सभी को भारत से बहुत आशाएं हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही विश्व बैंक ने कहा है कि भारत आने वाले वर्षों में ऐसे ही दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। कुछ ही दिन पहले जलवायु परिवर्तन पर ह की एक संस्था ने भारत को सौर ऊर्जा की सुपरपॉवर कहा था। इस संस्था ने ये भी कहा कि जहां कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत नतीजे लाकर दिखाता है।

मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश जनसंख्या के हिसाब से भारत का 5वां सबसे बड़ा राज्य है। मध्य प्रदेश कृषि के मामले में भारत के टॉप के राज्यों में है। खनीज के हिसाब से भी मध्य प्रदेश देश के टॉप 5 राज्यों में है। मध्य प्रदेश को जीवनदायिनी मां नर्मदा का भी आशीर्वाद प्राप्त है। मध्य प्रदेश में हर वो संभावना है, हर वो संभावना है जो इस राज्य को लष्ठक्क के हिसाब से भी देश के हृमश्च 5 राज्यों में ला सकता है। उन्होंने कहा कि बीते 2 दशकों में मध्य प्रदेश ने परिवर्तन का नया दौर देखा है। एक समय था जब यहां बिजली और पानी की बहुत सारी दिक्कतें थीं। कानून-व्यवस्था की स्थिति तो और भी खराब थी। ऐसी हालत में यहां इंडस्ट्री का विकास बहुत मुश्किल था प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 2 दशक में मध्य प्रदेश के लोगों के सपोर्ट से यहां की भाजपा सरकार ने शासन पर फोकस किया।

इंदिरा गांधी पर टिप्पणी पर सियासी संग्राम, कांग्रेस का विधानसभा घेराव के लिए जुटे कांग्रेस कार्यकर्ता

पुलिस ने कसी सुरक्षा की लगाम

जयपुर (एजेंसी)। इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी और छह विधायकों के निलंबन के विरोध में सोमवार को कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा का घेराव का ऐलान कर दिया। कांग्रेस कार्यकर्ता 22 गोदाम स्थित सहकार भवन के पास जुटे और विधानसभा कूच की तैयारी में हैं। हालांकि, पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं और प्रदर्शनकारियों को सहकार भवन से आगे नहीं बढने् दिया जाएगा।

विधानसभा घेराव को देखते हुए 22 गोदाम सर्किल स्थित भारत पेट्रोल पंप से विधानसभा जाने वाले मार्ग पर दोहरी बैरिकेडिंग की गई है। इसी क्षेत्र में कांग्रेस का मंच भी बनाया गया है, जहां से नेता प्रदर्शनकारियों को संबोधित कर रहे हैं। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को पेट्रोल पंप से पहले ही रोकने की तैयारी कर ली है, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

राजनीतिक उठापटक : आखिर क्यों भडक़ी कांग्रेस?

मामले की जड़ में विधानसभा में हुई एक टिप्पणी है। 21 फरवरी को प्रश्नकाल के दौरान सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत ने इंदिरा गांधी को लेकर टिप्पणी की थी, जिस पर कांग्रेस भडक़ उठी। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने वेल में जाकर हंगामा किया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही चार बार स्थगित करनी पड़ी।

नेट जीरो कॉर्बन की ओर बढ़ रही भारतीय रेल : अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्रालय और मध्य प्रदेश सरकार के बीच रिन्यूएबल एनर्जी समझौते पर हस्तक्षार

'नेट जीरो' कॉर्बन का लक्ष्य पूरा करने की दिशा में तेजी से बढ़ रही भारतीय रेल

अब रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स से अधिक से अधिक ऊर्जा प्राप्त करना लक्ष्य : रेल मंत्री

भोपाल (विश्व परिवार)। भोपाल में आयोजित 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025' में उपस्थित निवेशकों एवं उद्यमियों को संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के विद्युतीकरण एवं वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयोग के संबंध में रेलवे के विजन को विस्तार से बताया। इन्वेस्टर्स सम्मिट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने रेलवे को 'नेट जीरो' कॉर्बन का लक्ष्य दिया, जिसे पूरा करने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय से शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन कर लिया जाएगा। अब हमारा दूसरा लक्ष्य है कि अधिक से अधिक ऊर्जा रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स से प्राप्त की जाए। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए रेलवे अब तक 1 हजार 500 मेगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स के साथ टाइअप कर चुका है। आज मध्य प्रदेश के साथ जो 170 मेगा वॉट का यह बड़ा रूञ्ज क्क पर समझौता हुआ है, जो रिन्यूएबल एनर्जी कड़ी में महत्वपूर्ण कदम है। हम विंड और न्यूक्लियर पावर एनर्जी भी खरीदने के लिए उत्सुक हैं।

रेल मंत्री ने कहा कि मैं इस मंच के माध्यम से सभी राज्यों से यह भी निवेदन करूंगा कि आप अपने राज्यों से रिन्यूएबल, विंड, हाईड्रो या न्यूक्लियर के प्रोजेक्ट से जितनी भी एनर्जी रेलवे को सप्लाई कर सकते हैं, आपका स्वागत है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार और रेल मंत्रालय के कामकाज को लेकर कहा कि जिस मॉडल पर रेलवे और मध्य प्रदेश काम कर रहे हैं, इसके अंतर्गत मध्य प्रदेश सरकार और रेलवे मंत्रालय दोनों मिलकर एक अंडरस्टैन्डिंग पर पहुंचते हैं और उसके बाद में मध्य प्रदेश के जनरेटर और रेलवे एक क्क साइन करते हैं। इस मॉडल को देश में अन्य जगह भी लागू किया जा सकता है। रेल मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए माननीय प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश को रेलवे के लिए शानदार 14, 745 करोड़ रुपए का ऐतिहासिक बजट आवंटित किया है। इतिहास में पहली बार मध्य प्रदेश को इतना बजट मिला है। जहां 2014 से पहले मध्य प्रदेश में प्रति वर्ष करीब 29 द्मद्ब रेलवे ट्रैक बिछाया जाता था। वहीं अब 230द्मद्ब हर साल हो रहा है। यानी काम की गति 7.5 गुना बढ़ी और फंड 23 गुना बढ़े हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव शानदार काम कर रहे हैं। वह लगातार अधिकारियों से बातचीत कर प्रदेश में रेलवे के विकास कार्यों को बढ़ाने में मदद दे रहे हैं।

पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने सीखी पॉडकास्ट की बारीकियाँ

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता पत्रकारिता विश्वविद्यालय में पॉडकास्ट विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में 'टॉक @ पॉडकास्ट' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए वरिष्ठ पत्रकार डॉ. कीर्ति सिसोदिया ने कहा कि कहानी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। हर व्यक्ति के पास कहने के लिए कोई न कोई कहानी होती है। पॉडकास्ट स्टोरीटेलिंग का ही एक रूप है, जो डिजिटल माध्यम से श्रोताओं तक पहुँचता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया भी एक तरह की स्टोरीटेलिंग है, जहाँ हम अपनी सोच और विचार साझा करते हैं। पॉडकास्ट के जरिए हम समाज में सकारात्मक मूल्यों की स्थापना कर सकते हैं और विचारों को व्यापक स्तर पर प्रसारित कर सकते हैं। विशिष्ट वक्ता प्रो. मनीषा शर्मा, प्रोफेसर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक ने भारत में स्टोरीटेलिंग की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे देश में यह प्राचीन काल से चली आ रही है। भारतीय संस्कृति में कहानी सुनाने की परंपरा लोकगीतों, कथाओं और किस्सों के रूप में हमेशा मौजूद रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पॉडकास्ट एक प्रभावी संचार माध्यम के रूप में उभर रहा है, जो केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सूचना, शिक्षा और संवाद की भी असीम संभावनाएँ हैं। आने वाले समय में यह एक प्रमुख करियर विकल्प बन सकता है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि मीडिया के बदलते दौर में रोजगार की संभावनाएँ भी बढ़ रही हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते उपयोग के कारण पॉडकास्टिंग एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसमें युवाओं के लिए असीम संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में अपनी रुचि विकसित करना और नवाचार करना चाहिए।

प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने पॉडकास्ट की तकनीक, कंटेंट प्लानिंग और प्रसार से जुड़े सवाल पूछे। मुख्य वक्ता डॉ. सिसोदिया ने सवालों का उत्तर देते हुए पॉडकास्टिंग से जुड़े व्यावहारिक सुझाव भी दिए।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, मंगलवार 25 फरवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

लोकसभा सचिवालय की रसायन और उर्वरक संबंधी स्थाई समिति में शामिल हुए सांसद बृजमोहन

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने दिए सिपेट के उन्नयन और सीट बढ़ाने के निर्देश

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सांसद बृजमोहन ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

नई दिल्ली/रायपुर (विश्व परिवार)। लोकसभा सचिवालय की रसायन और उर्वरक संबंधी स्थाई समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय अनुदान (2025-26) के तहत रसायन और उर्वरक मंत्रालय के विभिन्न विभागों से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस बैठक में रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी ने सक्रिय भागीदारी निभाई और मंत्रालय के अधिकारियों से विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया। उन्होंने उर्वरक, रसायन, पेट्रोकेमिकल और औषधि क्षेत्र में सरकार की नीतियों और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

किसानों और उद्योगों के हित में अहम बिंदु : बृजमोहन अग्रवाल जी ने सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि छत्तीसगढ़ समेत देश के किसानों को समय पर और किफायती दरों पर उर्वरक मिल सके, जिससे उनकी उत्पादन लागत कम हो और कृषि क्षेत्र में मजबूती आए। उन्होंने देश में रसायन उद्योग को सशक्त करने और फार्मा सेक्टर में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर बल दिया। इसके तहत छोटे और मध्यम उद्यमों (स्स्ब्ब्ह्य) को विशेष सुविधाएं दिए जाने की मांग की, जिससे वे भी इस क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ा सकें। बैठक में रायपुर के सरोरा इंडस्ट्रियल एरिया में निर्माणाधीन प्लास्टिक पार्क की प्रगति पर चर्चा की गई। यह पार्क देश में प्लास्टिक और जैविक खाद उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित किया जा रहा है। श्री अग्रवाल ने नैनो डीएपी और नैनो यूरिया को बढ़ावा देने की मांग की, जिससे किसानों को अधिक किफायती और प्रभावी उर्वरक उपलब्ध हो सके।

बैठक में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया गया। इस पहल से किसानों को कम लागत में अधिक उपज प्राप्त होगी। उर्वरक की कम मात्रा में अधिक प्रभाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 1.94 लाख करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग से सरकार को 2 लाख करोड़ रुपये तक सब्सिडी व्यय में कमी आएगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

बैठक में पर्यावरण अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने के लिए जैविक खाद और जैविक दवाइयों के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। इससे किसानों को प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से अधिक लाभ प्राप्त होगा। रायपुर स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी (सिपेट) के अपग्रेडेशन और सीटों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए। इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं को तकनीकी शिक्षा और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। रायपुर के सारदा इंडस्ट्रियल एरिया में निर्माणाधीन निरवाना प्लास्टिक पार्क को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए, जिससे इस क्षेत्र में नए उद्योगों और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। छत्तीसगढ़ में पेट्रोकेमिकल उद्योग के विकास हेतु व्यापक सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए गए, जिससे प्रदेश में नए निवेश और औद्योगिक अवसरों का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस बैठक में माननीय सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ किसानों और उद्योगों तक सही समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में उर्वरक, रसायन और औषधि उद्योग के विकास को तेज गति दी जाए।

पीएम आवास योजना का मकान आबंटन लाटरी पद्धति से 25 फरवरी को निगम भिलाई में

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। शासन की महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत निर्मित आवासों का आबंटन किया जा रहा है। निगम भिलाई क्षेत्र के वह नागरिक जो किरायेदारी के रूप में निवासरत है या जिनके पास स्वयं का मकान नहीं है और जो नागरिक पूर्व से मकान के लिए आवेदन जमा किये है, जिनका पात्र सूची में नाम है, उनको खुली लाटरी पद्वति के माध्यम से मकान का आबंटन किया जा रहा है। मकान आबंटन निगम मुख्य कार्यालय सभागार में दिनांक 25.02.2025 को समय 11:00 बजे से किया जाएगा। नागरिक समय तिथि में उपस्थित होकर लाटरी में भाग ले सकते है।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने क्षेत्र के नागरिको से अपील किये है, कि शासन की इस योजना का अधिक से अधिक परिवार लाभ लें। यह मकान पूर्ण रूप से गुणवत्तापूर्वक निर्मित किया गया है, जहां परिवारो के लिए सभी तरह की सुविधाएं दी जा रही है। जो एक मकान खरीदने पर मिलता है। मकान का निर्माण नागरिको की सुविधाओं को देखकर किया गया है, जहां पर वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन एवं सामान्य परिवारो को दिया जा सके। भूतल के मकान दिव्यांगजन एवं वरिष्ठों के लिए आरक्षित रखा गया है। प्रमुख स्थल कृष्णा इंजीनियरिंग के पीछे खम्हरिया, एनार स्टेट खम्हरिया, स्वप्निल बिल्डर्स कुरूद अंतर्गत निर्मित आवासों का आबंटन किया जाना है। समय अवधि 11ः00 बजे से पूर्व 10ः45 को निगम मुख्यालय के सभागार में आ जावे। अपने साथ में रशीद एवं लेटर लेकर आना होगा। जिसके आधार पर लाटरी पद्धति के प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। लाटरी पद्धति में सभी आवेदकों को आना आवश्यक है।

हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा की गोपनीय सामग्री का किया गया वितरण

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा वर्ष 2025 की परीक्षा 01 मार्च से 28 मार्च 2025 तक आयोजित किया जाना है। जिले के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के गोपनीय सामग्री का थानावार, केन्द्रवार एवं विकासखण्डवार 24 फरवरी 2025 को समन्वय केन्द्र पंडित चक्रपाणी शुक्ल शासकीय बहुउद्देशीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बलौदाबाजार से वितरण किया गया। डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा के नोडल अधिकारी अरुण सोनकर नें बताया कि 24 फरवरी को विकासखण्ड बलौदाबाजार अंतर्गत परीक्षा केन्द्र 23, भाटापारा 20, पलारी 27 एवं सिमगा में 2 परीक्षा केन्द्र शासकीय उ.मा.वि.जरौद एवं शासकीय उ.मा.वि. रोहरा हेतु वितरण किया गया।इसी तरह 25 फरवरी को विकासखण्ड कसडोल अंतर्गत 30 एवं सिमगा के 20 परीक्षा केन्द्र हेतु गोपनीय सामग्री का वितरण किया जायेगा।

पीएम आवास योजना का मकान आबंटन लाटरी पद्धति से 25 फरवरी को निगम भिलाई में

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। शासन की महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत निर्मित आवासों का आबंटन किया जा रहा है। निगम भिलाई क्षेत्र के वह नागरिक जो किरायेदारी के रूप में निवासरत है या जिनके पास स्वयं का मकान नहीं है और जो नागरिक पूर्व से मकान के लिए आवेदन जमा किये है, जिनका पात्र सूची में नाम है, उनको खुली लाटरी पद्वति के माध्यम से मकान का आबंटन किया जा रहा है। मकान आबंटन निगम मुख्य कार्यालय सभागार में दिनांक 25.02.2025 को समय 11:00 बजे से किया जाएगा। नागरिक समय तिथि में उपस्थित होकर लाटरी में भाग ले सकते है।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने क्षेत्र के नागरिको से अपील किये है, कि शासन की इस योजना का अधिक से अधिक परिवार लाभ लें। यह मकान पूर्ण रूप से गुणवत्तापूर्वक निर्मित किया गया है, जहां परिवारो के लिए सभी तरह की सुविधाएं दी जा रही है। जो एक मकान खरीदने पर मिलता है। मकान का निर्माण नागरिको की सुविधाओं को देखकर किया गया है, जहां पर वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन एवं सामान्य परिवारो को दिया जा सके। भूतल के मकान दिव्यांगजन एवं वरिष्ठों के लिए आरक्षित रखा गया है। प्रमुख स्थल कृष्णा इंजीनियरिंग के पीछे खम्हरिया, एनार स्टेट खम्हरिया, स्वप्निल बिल्डर्स कुरूद अंतर्गत निर्मित आवासों का आबंटन किया जाना है। समय अवधि 11 बजे से पूर्व 10:45 को निगम मुख्यालय के सभागार में आ जावे। अपने साथ में रशीद एवं लेटर लेकर आना होगा। जिसके आधार पर लाटरी पद्धति के प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। लाटरी पद्धति में सभी आवेदकों को आना आवश्यक है।

भिलाई निगम सीमा क्षेत्र में पशुवध गृह एवं मांस विक्रय केन्द्र बंद रहेगी

भिलाईनगर। छत्तीसगढ़ शासन पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग के आदेशानुसार नगर पालिक निगम, भिलाई सीमा के अन्तर्गत संचालित पशुवध गृह एवं समस्त मांस विक्रय की दुकानें इन दिन बंद रहेगी। शासन से जारी आदेश के तहत महाशिवरात्रि पूर्व 26 फरवरी दिन बुधवार को समस्त पशुवध गृह जीव हत्या एवं समस्त मांस बिक्री केन्द्र को बंद रखा जाएगा।

कार्यालय जोन क्रमांक-10, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

-: तृतीय, चतुर्थ, एवं पंचम निविदा आमंत्रण सूचना :-

दिनांक 20.01.2025 से नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 में आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण कार्यों की निविदा स्थगित की गई थी। दिनांक 15.02.2025 को आदर्श आचार संहिता के समाप्ति पश्चात पुन: निविदा क्र. एवं तिथियों को संशोधित किया जाता है।

क्रमांक 76/न.पा.नि./ जोन-10/24-25 — रायपुर, दिनांक 24.02.2025

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है ।

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवदेन तिथि	-	28.02.2025	कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
02. निविदा प्राप्त करने की तिथि	-	28.02.2025	कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
03. निविदा जमा करने की तिथि	-	06.03.2025	कार्यालयीन समय 3:00 बजे तक
04. निविदा खोलने की तिथि	-	06.03.2025	कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि मूल्य	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस.ओ.आर. का विवरण	समय विधि
01	रानी दुर्गावती वार्ड क्र.50 अंतर्गत दीपक कालोनी में विवके किराना स्टोर्स के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य। (पार्षद निधि) (चतुर्थ)	5.00	5000/-	750/-	ड़ी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यू डी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर.)	04 माह
02	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र.52 अंतर्गत गंगा विहार गार्डन निर्माण हेतु पेवर कार्य। (पार्षद निधि) (पंचम)	1.25	2000/-	300/-	ड़ी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यू डी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर.)	01 माह
03	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र.52 अंतर्गत बापू की कुटिया में कांक्रीट कार्य। (पार्षद निधि) (पंचम)	0.50	1000/-	300/-	ड़ी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यू डी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर.)	01 माह
04	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र.52 अंतर्गत नंदी चौक में रंगमंच मरम्मत कार्य। (संधारण मद) (तृतीय)	1.50	2000/-	300/-	ड़ी एवं इससे ऊपर	प्रपत्र 'अ' (पी.डब्ल्यू डी भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एस.ओ.आर.)	02 माह

1. नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन, रायपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत तथा कार्य के अनुभवी ठेकेदारों से तीन लिफाफा पद्धति जमा करना है।
2. लिफाफा (अ) में अमानती राशि का एफ.डी.आर. व शपथ पत्र एवं चाही गई समस्त दस्तावेज।
3. लिफाफा (ब) में निविदा प्रपत्र भरकर सीलबंद करना होगा।
4. (अ)+(ब) एक अन्य तीसरे लिफाफा (स) में भरकर ही स्पीड पोस्ट के द्वारा प्राप्त किया जावेगा ।
5. सर्वप्रथम लिफाफा (स) खोलने के पश्चात् लिफाफा (अ) खोला जावेगा जिसमें अमानती राशि का एफ.डी.आर. एवं अन्य चाही गई दस्तावेज होने पर ही निविदा प्रपत्र की लिफाफा (ब) खोली जावेगी तथा लिफाफे में अ.ब.स अंकित होगा अनिवार्य है।
6. निविदा जमा करने की तिथि एवं खोलने के तिथि में किसी वजह से अवकाश घोषित होता है तो वह कार्यालयीन दिवस में किया जावेगा।
7. सक्षम श्रेणी का ई-रजिस्ट्रेशन, बैंक सालवेंसी, अंतिम तीन साल का आईटीआर, पेन कार्ड, जीएसटी रजिस्ट्रेशन एवं अंतिम तीन माह का जी.एस.टी.आर., अमानती राशि का एफ.डी.आर के साथ जमा करना अनिवार्य होगा। 8.
तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फर्मों के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।
9. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार नगर निगम रायपुर के पास सुरक्षित है।
10. निविदा संबंधी अन्य शर्ते एवं जानकारियों कार्यालय अवधि / दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
11. ठेकेदार को **From A** में दिये गये सभी शर्ते के अनुसार कार्य किये जाना अनिवार्य है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त,
जोन क्रमांक-10,
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./18317/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 24-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18317
वार्ड का नाम- 14- रमन मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223A00333** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MRS. ANJU HANSPAL W/O ATALSINGH ATAL SINGH S/O PREMSINGH AVAL SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. MAMTA SONI** पिता/पति, श्री/ श्रीमती **W/O SHRI LOKESH KUMAR SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
नया मुख्यालय भवन गांधी चौक, रायपुर फोन नं. 2535780, 90, फैक्स 0771-2227395,
E-mail- ee.electrical.rmc@gmail.com

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/477/ विद्युत/न.पा.नि./2025 — दि. 24/02/2025

नगर पालिक निगम, रायपुर, विद्युत विभाग द्वारा निम्नांकित कार्य हेतु लो.नि.वि. एकल खिडकी प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत "अ" वर्ग विद्युत ठेकेदारों / फर्मों से मुहरबंद निविदायें दो लिफाफा पद्धति के माध्यम से स्पीड पोस्ट से दिनांक 10/03/2025 को संध्या 4:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, प्राप्त सभी निविदाएँ उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख दिनांक 10/03/2025 को संध्या 05:00 बजे खोली जाएगी। कार्य हेतु निविदा प्रपत्र-अ निर्धारित राशि रू. 750.00 जमा कर दिनांक 09/03/2025 तक नगर पालिक निगम, विद्युत विभाग, मुख्यालय से कार्यालीन समय में प्राप्त की जा सकती है। कार्य का विवरण : - नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्रांतर्गत खम्हारडीह थाना चौक में 01 नग 16 मीटर ऊंचाई के हाईमास्ट प्रदाय व स्थापना कार्य बाबत। अनुमानित लागत राशि रू. 5,43,036.00, अमानती राशि रू. 4080.00 ।

नोट :-
1. निविदा प्रपत्र के लिये आवेदन के साथ सक्षम श्रेणी में पंजीकृत वैध जीवित पंजीयन एवं विद्युत अनुज्ञा प्रपत्र देना होगा।
2. निविदा के अन्य नियम एवं शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ दे दी जायेगी।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यपालन अभियंता
(विद्युत) नगर पालिक
निगम, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत कोहका तिल्दा, जिला-रायपुर में स्थित भवन **क्रमांक एल.आई.जी. 09, श्री विवेक मिश्रा पिता श्री दिनेश मिश्रा** के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण **आदेश क्रमांक-334 दिनांक 04.12.2024** के माध्यम से नामांतरित किया गया है। वर्तमान में नामांतरी **श्री विवेक मिश्रा पिता श्री दिनेश मिश्रा निवासी वार्ड नं.-36 गंज पारा दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को **श्री यंशवत कुमार नायक पिता श्री रामदीन नायक, निवासी-रावन भाटा वार्ड विघायल के पास तुलसी-नेवरा पोस्ट व थाना व तह. तिल्दा-नेवरा, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

आम - सूचना

दिनांक 24/02/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **रमेश कुमार नायडू पिता - शंकर राव नायडू निवासी रायपुर की ग्राम सोण्डरा प.ह.न. 25 की राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर - 19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग.** में स्थित भूमिस्वामी हक की **भूमि खसरा नंबर 501/17 रकबा 0.0470 हे.** तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमाक का सीमांकन न्यायालय 2025 ...आदेश **दिनांक 03/02/2025** के परिपालन में **दिनांक OT / तह/2025 आदेश दिनांक 03.02.2025 के परिपालन में दिनांक 04.03.2025 को समय** 12:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अत: उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर - 25 के स्थित कार्यालय ने अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वंय अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अत: सूचना जानें।

मुहर

राजस्व निरीक्षक
रायपुर - 19 धनेली

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./17142/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 04-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17142
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445D0143A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARJEET KAUR ANAND** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DR. J.S. ANAND** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SIMRAN MOTWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SHRI MAHESH KUMAR MOTWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई,** रायपुर में स्थित दुकान क्र. **बी-112, श्री विजय कुमार बजाज पिता स्व. श्री चंचल दास बजाज,** के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक **6000 दिनांक 28.09.2010** द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में **दिनांक 06.12.2012** को लीजडीड पंजीकृत उपरांत **दिनांक 18.04.2023** को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त दुकान को क्रेता **श्रीमती मनोरमा अग्रवाल पति श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, निवासी- हाउस नंबर आर-7, नियर हनुमान मंदिर, अनुपम नगर, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में **दिनांक 12.02.2025** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में **क्रेता श्रीमती मनोरमा अग्रवाल पति श्री सुरेश कुमार अग्रवाल,** द्वारा उक्त दुकान को **फ्री होल्ड** पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त दुकान के नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./18337/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 21-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18337
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B00964** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MITHLESH CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOJ CHANDRAKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT NIKITA GIREPUNJE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUKCHAND GIREPUNJE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./18336/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 24-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18336
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमु कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR235F00001** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SUBHASH AGGRWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOTI LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAMA KEMBAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O MURLI KRISHNA KEMBAI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./18360/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 24-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18360
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमु कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR223L0149A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ARUN DAS GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE . MALAI DAS GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **Mr. SHIVAM SONDAGAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOTHER - MRS. MAMTA SONDAGAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./18340/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 24-02-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18340
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR220F00230** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHRI JEUMAL, PRAHLAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE PARUMAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती लक्ष्मी धर्मवानी** पिता/पति, श्री/ **श्रीमती पति - श्री किशन चंद धर्मवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, मंगलवार 25 फरवरी 2025

रात के 12 बजे रोका गया बाल विवाह बारात को लौटना पड़ा खाली हाथ

दो बालिका को रेस्क्यू कर लाया गया सखी वन स्टाप सेंटर

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर एस. जयवर्धन के दिशा निर्देश एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिला सूरजपुर को बाल विवाह मुक्त बनाने की ओर कठोरता के साथ लगा हुआ है। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन मे संयुक्त टीम हर परिस्थिति में काम कर रही है।

ग्रामीण भी विभाग की परीक्षा लेने में कोई कोर कसर नही छोड रहे हैं वर्तमान मामले में रात्रि 9 बजे एक ग्रामीण द्वारा सूचना दी गई की भटगांव थाना अन्तर्गत एक गांव में एक नाबालिग लड़की का विवाह हो रहा है साथ ही उसी मंडप में छोटी बहन का भी विवाह करने की तैयारी की जा रही है जो 8 वीं कक्षा में पढ रही है जानकारी प्राप्त होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी को इसकी जानकारी दी गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू द्वारा संयुक्त टीम बना कर तत्काल विवाह रोकने का निर्देश प्राप्त हुआ। जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल के

नेतृत्व में संयुक्त टीम 11 बजे मौके पर पहुंची। पंचायत चुनाव के कारण पुलिस बल भी ज्यादा नहीं मिला, घर के दरवाजे पर बारात लग गई थी और डीजे में बाराती नाच रहे थे। घर में मेहमानो की भीड लगी हुई थी। घर पर टीम के पहुचने पर घराती और बाराती सभी आंगन मे इकट्ठे हो गये थे। बडी बहन को टीम के सामने प्रस्तुत किया गया। शैक्षणिक दस्तावेज मांगने पर बताया गया कि बालिका नही पढी है। फिर बताया गया कि सभी दस्तावेज को दीमक चट कर गया है। रात्रि में बीईओ भैयाथान से बात कर प्राथमिक शाला के शिक्षक को स्कूल खुलवा कर दस्तावेज मांगने पर पता चला कि दोनो लडकीयाँ उसी स्कूल में पढी है एक 16 वर्ष की है तो दूसरी 15 वर्ष भी नही है छोटी लडकी को बुलाने को बोलने पर बताये की वह घर पर नही है टीम द्वारा समझाईस देने पर लडकी को प्रस्तुत किया गया । दोनो से अलग-अलग पूछ ताछ में दोनो लड़कियां एक ही लडके के साथ विवाह की बात करने लगे। टीम को बरगलाने की कोशिश के दौरान उनके हाथ में मेंहदी लगा पाया गया जिसमें लडके का नाम था दोनो के हाथ देखने पर अलग अलग लडको के नाम थे तब जाकर उन्होने दोनो के विवाह करने को स्वीकार किया । सभी शराब के नशे में थे। लडकीयों को छोडने पर बाल विवाह की सम्भावना पुरी थी। दूल्हे और बारातीयों को बुलाने पर दुल्हे समेत सभी बाराती गाडी, डीजे लेकर भाग खड़े हुए। घर वाले लडकियों के विवाह को आमादा थे। तब लडकीयों को सखी ले जाने का पंचनामा तैयार किया गया। लडकीयों जाने को तैयार नही थी। थाने में रिर्पोट करने और सभी पर कार्यवाही हो जाने की बात पर वे टीम के साथ आये महिला कर्मचारीयों के द्वारा बच्चियों को सुरक्षित सखी वन स्टाप सेन्टर में रखा गया। मामले में संयुक्त टीम को काफी जद्दोजहद का सामना करना पडा मुश्किल से उक्त बाल विवाह को देर रात्री 2 बजे रोका जा सका। वही दूसरे दिन सूचना प्राप्त हुई की रामानुजनगर थाना अंतर्गत एवं ओडगी विकासखण्ड के एक गाम में नाबालिक का विवाह होने जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी के निर्देश पर दोनो जगह संयुक्त टीम रवाना हुई। रामानुजनगर गई टीम ने गांव मे जाकर समझाइश दी और बाल विवाह रोकवाया, वहीं दुरस्त ओडगी के ग्राम में भी एक 17 वर्षीय लडकी का बाल विवाह समझाईस देकर रोका गया। बाल विवाह रोकवाने वालो में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल, परियोजना अधिकारी श्री जागेश्वर साहू, संरपंच सरईपारा श्री विजय सिंह, जिला बाल संरक्षण ईकाई से अखिलेश सिंह प्रियंका सिंह, जैनेन्द्र दुबे, श्रीमती अंजनी साहू, सखी वन स्टॉप सेन्टर से श्रीमती साबरीन फातिमा, चाईल्ड लाईन से कार्तिक मजूमदार, कुमारी शीतल सिंह, प्रकाश राजवाडे, दिनेश यादव, रमेश साहू, पवन धीवर, पर्यवेक्षक भैयाथान तन्द्रा चौधरी, पर्यवेक्षक रामानुजनगर श्रीमती भारती पटेल, श्रीमती मांनकुवर, देवकली ओडगी पर्यवेक्षक श्रीमती ज्योति, श्रीमती अन्नु ठाकुर, सत्यवती थाना प्रभारी ओडगी फर्दीनन्द कुजुर, प्रधान आरक्षक दीपक सिंह आ.रक्षक अमरेन्द्र दुबे महिला आरक्षक जान कुंवर सिंह, आरक्षक कौशलन्द्र सिंह, रोहित राजवाडे, आ0बा0 कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के लिए जिला स्तरीय उड़न दस्ता दल का गठन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा संचालित की जाने वाली वर्ष 2025 की हायर सेकण्डरी एवं हाई स्कूल की परीक्षाएं क्रमश: 01 मार्च एवं 28 मार्च 2025 के मध्य आयोजित होगी। परीक्षा का सुव्यवस्थित संचालन हेतु जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है। प्रत्येक उड़नदस्ता दल सम्मिलित परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक सघन जांच, निरीक्षण परीक्षा के दौरान करेंगें एवं कार्यालय द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देश के अनुसार अन्य परीक्षा केन्द्रों का भी निरीक्षण कर सकेंगें। दल प्रभारी प्रत्येक परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रतिदिन जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर को प्रस्तुत करेंगें। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितता एवं नकल आदि का प्रतिवेदन में स्पष्ट उल्लेख हों। निरीक्षण के दौरान प्रभारी अधिकारी, सदस्य अपने शासकीय वाहन का उपयोग करेंगें।

नव पदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यालय संचालन हेतु आवश्यक बैठक ली

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा द्वारा कार्यालयीन समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों की सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य समयसीमा के भीतर सम्पन्न करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस दौरान परीक्षा, क्रीड़ा, रेडक्रॉस, बजट, पेंशन, इको क्लब, निर्माण, शाला जतन योजना, सरस्वती नि:शुल्क सायकल योजना, छात्रवृत्ति, शिक्षा का अधिकार नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक एवं सूचना का अधिकार से सम्बंधित समस्त बिन्दुओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी लेते हुए अपूर्ण कार्यों का निराकरण तत्काल करते हुए शासन द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का संचालन सुचारू रूप से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती लता बेक सहायक संचालक (योजना), श्री शरदेन्दु कुमार शुक्ल सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी, श्रीमती आमा तिर्की एम.आई.एस. प्रशासक, श्री आरएन, पटेल, श्री त्रिपुरारी सिंह, श्री मुकेश सिन्हा, श्री आशीष सहाय, श्री योगेन्द्र यादव, श्री अमित पड़वार समेत समस्त कार्यालयीन कर्मचारी उपस्थित थे।

पंच-सरपंच चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने किया नेशनल हाईवे जाम

सूरजपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में पंचायत चुनाव के दौरान पंच- सरपंच चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने थाने के सामने नेशनल हाईवे जाम कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन पर सहयोग न करने का आरोप लगा जमकर नारेबाजी की। चक्काजाम के दौरान कई बार प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों एवं पुलिस के बीच धक्का मुक्की की नौबत आ गई थी। चुनाव के दौरान धांधली का आरोप लगा ग्रामीण प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपना चाह रहे थे। लेकिन अधिकारी ज्ञापन लेने के बजाए आनाकानी कर रहे थे। जिससे नाराज ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए चक्काजाम करते हुए नेशनल हाईवे जाम कर दिया। लगभग एक घंटे तक चले चक्काजाम के दौरान ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े हुए थे। उनका कहना था कि प्रशासनिक अधिकारी मौके पर आए और उनकी समस्या का निराकरण करें। इस दौरान थाने के सामने भारी अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया था। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश का भी इन पर कोई असर नही पड़ रहा था।

जेल रोड में पलटा माजदा

जांजगीर(विश्व परिवार)। जेल के सामने नेशनल हाईवे-49 पर एक माजदा वाहन पलटने से बड़ा हादसा हो गया। वाहन में 40 से ज्यादा लोग सवार थे, जिनमें से 23 लोग घायल हो गए। घायलों में 13 बच्चे भी शामिल हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। यह दुर्घटना तब हुई जब पकरिया झूलन गांव के लोग माजदा वाहन में सवार होकर मड़वारानी दर्शन के लिए जा रहे थे। जब वाहन जांजगीर की जेल के सामने ह॥-49 पर पहुंचा, तो चालक ने बंदरों के झुंड को बचाने की कोशिश की, जिससे वाहन असंतुलित होकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई, क्योंकि वाहन में बड़ी संख्या में यात्री सवार थे।

नयनपुर-गिरवरगंज और नवीन औद्योगिक क्षेत्र जूर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- आज जिले के कलेक्टर एस जयवर्धन द्वारा औद्योगिक क्षेत्र नयनपुर-गिरवरगंज स्थित बॉयल्ड राइस मिल पर आधारित इकाई मेसर्स अमन एग्रोइंडस्ट्रीज, बॉयोमॉस पर आधारित 10 मेगावाट का इकाई मेसर्स इन्द्रापावरजेन प्रा0लि0 एवं टी0एम0टी0बार पर पर आधारित इकाई मे0यू0बी0वेंचर्स प्रा0लिमि0 का निरीक्षण कर इकाइयों की समस्या एवं स्थानीय रोजगार के संबंध में इकाई संचालको से चर्चा की गई, तत्पश्चात् नवीन औद्योगिक क्षेत्र, जूर में उद्योग विभाग को आवंटित भूमि का स्थल निरीक्षण कर भूमिका विकास हेतु एवं राष्ट्रीय मार्ग तक वैकल्पिक पहुँच मार्ग का सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु तहसीलदार, भैयाथान एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान जिला

व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सूरजपुर के महाप्रबंधक, प्रबंधक एवं राजस्व अधिकारी तथा ग्राम-जूर के सरपंच एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे ।

टंगिए से हमला कर पत्नी को उतारा मौत के घाट

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के पसान थाने अंतर्गत कोरबा क्षेत्र के ग्राम बगबुडी गांव में 70 साल के निवासी महासिंह पिता स्वर्गीय रघुनाथ सिंह ने अपने पत्नी दसमतिया बाई 60 वर्ष को टंगिए से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। मिली जानकारी के अनुसार दोनों ने एक साथ भोजन के पूर्व शराब का सेवन किया। इसके बाद किसी बात को लेकर दोनों में कहा-सुनी हुई और आधी रात को आवेश में आकर महासिंह ने टंगिए से जानलेवा हमला कर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। सुबह होते ही हत्यारा महासिंह अपने परिवारजनों को घटने की सूचना देकर पुलिस चौकी जाने के नाम से निकला। तत्पश्चात घटना की खबर उसके परिवारजनों ने सरपंच जोहन सिंह एवं निर्वाचित सरपंच पति अजय कुमार को अवगत कराया। खबर मिलते ही चौकी प्रभारी अफसर हुसैन खान ने फौरन घटना स्थल रवाना होकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु पोड़ी उपरोड़ा रवाना किया। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त आरोपी की कोई संतान नहीं है और वह शराबी किस्म का व्यक्ति था। चौकी प्रभारी अफसर हुसैन खान ने बताया कि आरोपी महासिंह अपने पत्नी की हत्या कर चौकी जाने के नाम पर घर से निकला, उसकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु परीक्षा का आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण, आवासीय एवं शैक्षणिक संस्थान समिति, ब्लाक-डी. भूतल, इन्द्रावती भवन अटल नगर, नवा रायपुर द्वारा जिला अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 02 मार्च दिन रविवार को प्रात: 10.00 बजे से 12.00 बजे तक (02 घण्टे) किया जाना है। परीक्षा हेतु जिले में 12 परीक्षा केन्द्र क्रमश: शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर, शासकीय नवीन महाविद्यालय ओड़गी, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ओड़गी, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रेमनगर, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रेमनगर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर (आजाक),शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रतापपुर (शिक्षा), स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय प्रतापपुर, अचीवर्स इंटरनेशनल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल प्रतापपुर, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रतापपुर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर को बनाये गया है। सूरजपुर जिला अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय हेतु निर्धारित समस्त 12 परीक्षा केन्द्रों के ऐसे सभी पात्र छात्र/छात्राऐं जिन्होने ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था, अपना प्रवेश पत्र विभाग के साईट https://eklavya.cg.nic.in में जाकर अपना आवेदन क्रमांक एवं पिता का मोबाईल नंबर अंकित कर प्राप्त कर सकेंगे।

सरपंच की विजयी रैली, ग्रामिणों ने किया भव्य स्वागत

बिलासपुर(विश्व परिवार)। ग्राम पंचायत सेमरताल के नवनिर्वाचित सरपंच धनित्तर सूर्यवंशी एवं चुने हुए नये पंचों ने सेमरताल व भदौरियाखार के सभी बीस वार्डों में आभार रैली निकालकर जनता का धन्यवाद किया। आभार रैली की शुरुआत गांव के समस्त देवी-देवताओं की पूजा के साथ हुआ। सूर्यवंशी समाज सामुदायिक भवन, बेड़ा चौक, ग्राम गुड़ी, बजरंग चौक, गांधी चौक, विवेकानंद चौक, गायत्री मंदिर सहित सेमरताल की महत्वपूर्ण गलियों से होते हुए जन जन का आभार प्रगट किया गया। सरपंच धनित्तर सूर्यवंशी के साथ पंच मनीष कौशिक, चैतराम साहू, अक्षय साहू, नवल सूर्यवंशी, कुशल सूर्यवंशी, रामकिशोर यादव, मुकेश यादव एवं समीर यादव ने जनता के घर-घर जाकर आभार प्रगट किया। ऐतिहासिक जीत के शिल्पकार गांव की सभी जनता रही। वहीं यह भी सच है कि वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर साहू अपनी मेहनत व कुशल चुनाव संचालन से 17 वर्षों से मजबूत पकड़ रखने वाले को पराजित

कर दिया। यदुनंदन कौशिक, लक्ष्मण साहू, मनीष कौशिक, विरेन्द्र गहवई, अनिरुद्ध वर्मा, रूद्र सूर्यवंशी, श्यामसुंदर सूर्यवंशी, ध्रुव साहू, सुनील धीवर, सुभाष धीवर, गोपाल सिंह, जयराम धीवर , सरजू साहू, सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने विजय रथ के सारथी बने आज के विजय रैली में सहभागिता देकर विजय सरपंच के साथ गांव के सभी मतदाताओं को धन्यवाद व आभार प्रगट किया। विजय गीत संगीत में पूरा दिन लोगों का हुजूम झुमता रहा। सरपंच के स्वागत में जनता ने रंगोली सजाई थी। माताओं ने आरती की थाल घुमाकर और पुष्प वर्षा कर सरपंच को विजय तिलक लगाया। नारियल पेड़ छाप चुनाव चिन्ह से अविस्मरणीय चुनाव जीतने वाले धनित्तर सूर्यवंशी को जनता ने नारियल भेंट किया। जगह जगह पर उन्हें वस्त्र भेंट होता रहा। युवाओं ने फ्टाकों की गूंज से अपनी जीत की खुशी जाहिर की। विजय जुलूस में शामिल हरेक शख्स के चेहरे पर रंग गुलाल सजा हुआ था। गांव का वातावरण दिवाली और होली का संगम देखने को मिला । ये वो खुशी है जिसे कई साल बाद जनता ने लोकतंत्र के कारण हासिल किया है। सही मायने में धनित्तर सूर्यवंशी की जीत समस्त गांव के मतदाताओं आशा व विश्वास और सपनों की जीत है। गांव के विकास का पहिया कीचड़ में फंसा हुआ है, जिसे निकालकर पटरी में लाना होगा। निजी स्वार्थ को छोड़कर जनकल्याण की दिशा में कदम बढ़ाना होगा। इस बार धनित्तर सूर्यवंशी के साथ में गांव के विकास के लिए प्रतिबद्ध युवा पंचों की टीम है। उम्मीद है कि नयी पंचायत शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, संस्कृति और सभ्य समाज के निर्माण के लिए मिलकर विकास की कार्य करेगी।

पंचायत में महिला पंच सरपंच के पतियो के दबदबा पर लगे अंकुश-इसराइल

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-ग्राम पंचायत जयनगर में नवनिर्वाचित महिला सरपंच-पंच के स्थान पर अनाधिकृत रूप से पति व अन्य लोगों को पंचायत में बैठने पर अंकुश लगाने की उठी मांग, भाजपा नेता ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त, व जिला निर्वाचन अधिकारी, सहित जनपद सीईओ को इस मामले में हस्तक्षेप करने हेतु पत्र लिखा।

सूरजपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत जयनगर में पिछले कई पंचवर्षीय सत्र में महिला पंचों के स्थान पर पतियों के हावी होने से जहां महिलाओं की अधिकारों का हनन किया जाता है, वहीं सरपंच-पंच पतियों के द्वारा पंचायत में अपने आपको पंच रूपी अधिकार समझ अपना दबदबा बनाकर आरक्षण प्रक्रिया को भी शून्य करार देते हुए फर्जी हस्ताक्षर भी पंचायत बैठक कार्यवाही पंजी में सचिव के मिलीभगत से करने की सिलसिला पर अंकुश लगाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं जशपुर जिला प्रभारी मो0 इसराईल ने छत्तीसगढ़ राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त रायपुर, व कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सूरजपुर सहित मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सूरजपुर को पत्र प्रेषित कर समन्धित पंचायत को निर्देशित कर महिलाओं के स्थान पर अन्य पुरुषों की

प्रवेश पर अंकुश लगाने तथा बैठक कार्यवाही के दौरान उपस्थित सरपंच-पंच के फोटो सेशन संबंधित विभागों को करने की मांग की गई है।

उल्लेखनीय है कि जयनगर ग्राम पंचायत में सरपंच-पंच पति एवं उनके सगे संबंधी के द्वारा अपने आपको प्रतिनिधि बताकर निर्वाचित महिलाओं के अधिकारों का हनन करते हुए राज्य निर्वाचन आयोग एवं पंचायत अधिनियम की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती रही हैं। जिस मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं जशपुर जिला प्रभारी मो0 इसराईलने महिलाओं की अधिकारों को बहाल करने की मांग संबंधित मुख्य निर्वाचन आयुक्त,तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सहित मुख्यकार्यपालन अधिकारी को पत्र प्रेषित कर की है, वहीं महिलाओं की आरक्षण व उनके अधिकारों के मद्देनजर भाजपा नेता के द्वारा यह कदम उठाया गया है, जिससे ग्राम पंचायत में अनाधिकृत रुप से सरपंच-पंच पति एवं उनके अन्य रिश्तेदारों की दबंगई को समाप्त की जा सके, और पंचायत भयमुक्त होकर उचित बैठक कार्यवाही कर सकें, इस ओर भाजपा नेता मो0 इसराईल*ने जयनगर पंचायत में लंबे अर्षों से चल रहे पति परमेश्वर की खुलेआम हस्तक्षेप को विभाग द्वारा एक आदेश जारी कर अविलम्ब प्रतिबंधित करने की मांग रखी है। जो निर्णय न्यायहित में होगा। इस ओर संबंधित अधिकारियों ने भाजपा नेता को आश्वस्त किया है, की जल्द ही इस बिंदु पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, मंगलवार 25 फरवरी 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

ट्रंप की यूक्रेन पर बवंडर नीति

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी घोषणा के अनुसार कार्यकाल की शुरुआत में ही रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की है। उन्होंने शांति वार्ता को जमीन पर उतरने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत की। इसी का परिणाम है कि मंगलवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिका और रूस के विदेश मंत्री शांति वार्ता का प्रारूप तैयार करने के लिए मुलाकात कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का यूक्रेन के संबंध में उठाया गया यह कदम अमेरिका की पुरानी नीति से एकदम अलग है और इसमें यूरोप के साथ गहराते मतभेदों के संकेत हैं। अगर ट्रंप युद्ध समाप्ति की दिशा प्रयास कर रहे हैं तो उनके प्रयास की सराहना की जानी चाहिए, क्योंकि इस युद्ध में यूक्रेन ने बहुत तबाही मोल ली है। इसलिए इसे रुकना ही चाहिए। बाइडन ने पुतिन को हत्यारा तानाशाह' कहा था और युद्ध को भड़कने का आरोप लगाया था। दूसरी ओर यूरोपीय नेताओं ने सोमवार को पेरिस में आपातकालीन बैठक कर यूक्रेन मुद्दे पर एक संयुक्त मोर्चा बनाने पर चर्चा की। वास्तव में ट्रंप की यूक्रेन पर बवंडर नीति ने यूरोप और स्वयं यूक्रेन के सामने हाशिये पर जाने का खतरा पैदा कर दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को सऊदी अरब में आयोजित शांति वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया है। नतीजतन शांति वार्ता की सफलता संदिग्ध है। जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय देश रूस के साथ अपने विरोधपूर्ण संबंधों के कारण उसके आगे समर्पण करना नहीं चाहते। यूरोपीय देश यूक्रेन को हारता देखना नहीं चाहते, लेकिन उन्हें यह समझ में क्यों नहीं आता कि अपनी थोड़ी सी सहायता के बल पर यूक्रेन को युद्ध में झोंके रखना वस्तुत: कीव को विनाश के कगार पर पहुंचाना है। अमेरिका में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद पर तुलसी गबार्ड की नियुक्ति पर मोहर लगने के बाद यूरोपीय देशों की चिंता और बढ़ गई है, क्योंकि उन्हें युद्ध विरोधी नेता माना जाता है। भारत शुरू से युद्ध समाप्त करने के पक्ष में खड़ा रहा है। अभी पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की यात्रा के दौरान यूक्रेन पर अपनी नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत तटस्थ नहीं रह सकता। भारत रूस को अपना विसनीय सहयोगी मानता है और वह किसी भी ऐसे कदम का स्वागत करेगा जो चीन और उसके गहराते संबंधों पर लगाम लगाए।

संत ने खंभे क्या है शिखर योग... ?

स्पिरिचुअल हीलर

संत ने खंभे से हाथ हटा लिये और राजा से बोले, 'जो बात आपने मुझे अभी कही है, यही बात मैं आपको बताने आया हूं। दुनियादारी का मोह छोड़ दीजिए, आप मुक्त हो जाएंगे।' सहज संन्यास मिशन में शिखर योग की व्याख्या ही यही है कि परमात्मा के प्रति हमारा समर्पण पूर्ण हो। सुख हो, दुख हो, संघर्ष हो, कठिनाई हो, मान हो, अपमान हो, स्वास्थ्य हो, बीमारी हो, अमीरी हो, गरीबी हो, हर हाल में परमात्मा का शुक्रिया ही करना है। परमात्मा चाहें जिस हाल में रखें, परमात्मा पर विश्वास में कमी न हो। कोई शिकायत न हो, बस शुक्रिया ही शुक्रिया हो। यह विश्वास भी कभी न डिगे यह पूरा ब्रह्मांड परमात्मा की ही अभिव्यक्ति है और इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु में परमात्मा का ही नूर है। मानव, पशु-पक्षी, कीट-पंतग, जलचर जीव और पेड़-पौधे ही नहीं, बल्कि निर्जीव दिखने वाली हर वस्तु में भी हम परमात्मा को ही देखें और उनके प्रति सम्मान और ममतामयी करुणा का भाव रखें जब हम योग की बात करते हैं तो दिमाग में जो तस्वीर बनती है वह व्यायाम से मिलते-जुलते किसी आसन की तस्वीर बनती है जिसमें हम शरीर को किसी निश्चित आसन में मोड़ते हैं और साथ में सांस को भी उसके साथ समन्वित करते हैं। निश्चित आसनों में शारीरिक व्यायाम के साथ सांस की लय के संगम को ही हम योग के रूप में जानते हैं, परंतु योग की यह परिभाषा सीमित परिभाषा है। योग का अर्थ ज्ञान भी है, और यह सिर्फ ज्ञान ही नहीं बल्कि बुद्धिमता या चैतन्य का प्रतीक है। ज्ञान, यानी नॉलेज जब बुद्धिमता, यानी विजडम में परिवर्तित हो जाए तो वह योग कहलाता है, और जब हम शिखर योग की बात करते हैं तो उसका मतलब व्यवहार में उतरे हुए, जीवन में उतरे हुए सर्वोच्च ज्ञान से है। वह ज्ञान जिसके बाद कुछ और जानना बाकी नहीं रह जाता है और वह ज्ञान जब हमारे व्यवहार में उतर जाता है, हमारे चरित्र में उतर जाता है, हमारे हर काम में उतर जाता है, हमारे जीवन में उतर जाता है तो वह शिखर योग बन जाता है। यह वैसे ही है जैसे कोई पर्वतारोही अगर किसी पर्वत पर चढ़ना शुरू करे और वह उस पर्वत की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंच जाए, जहां से और ऊपर

जाने को कुछ भी न हो, तो वह सर्वोच्च शिखर है, और शिखर योग भी वही ज्ञान है जिसके बाद कुछ और जानने को बाकी ही न रह जाए, लेकिन शिखर योग सिर्फ जानने तक ही सीमित नहीं है। जान लेना आसान है। पढ़ लिया, सुन लिया, समझ लिया, इतना कुछ कर लिया तो सिर्फ 'जान लिया' और जब उसे व्यवहार में भी उतार लिया, जीवन का हिस्सा बना लिया तो ही योग से शुरू की गई यात्रा शिखर योग तक पहुंचती है। सहज संन्यास मिशन के अनुयायी संन्यासी के रूप में हम सीखते हैं। कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि पर महाभारत के युद्ध के समय जब अर्जुन शत्रु सेना में अपने मित्रों और रिश्तेदारों को देखकर परेशान हो गए और युद्ध करने की उनकी इच्छा ही डांवाडोल हो गई तो उनके सारथी के रूप में उनके साथ चल रहे भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का जो उपदेश दिया, उसके एक छोटे से हिस्से को भी समझ लें तो हम शिखर योग की परिकल्पना तक पहुंच सकते हैं। तब भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा था कि सृष्टि के शुरुआत में मैंने अविनाशी योग का यह ज्ञान सबसे पहले सूर्य को दिया था। सूर्य ने वह ज्ञान मनु को दिया, मनु ने वह ज्ञान इक्ष्वाकु को दिया। इस प्रकार पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह ज्ञान आगे चलता रहा, पर धीरे-धीरे अगली पीढ़ी इससे विरक्त हो गई और यह अविनाशी ज्ञान लुप्त हो गया। भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत युद्ध के समय अर्जुन को देते हुए इसे फिर से पुनर्जीवित किया। योग का अर्थ केवल आसन करने भर से नहीं, बल्कि अपने शुद्ध स्वरूप को जानने और उसमें टिक जाने से है। इसके बाद आज से लगभग 2200 वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने भी योग के इस बिखरे ज्ञान को समेटने का एक सफल और सार्थक प्रयास किया और इसे इकट्ठा करके 'योगसूत्र' में लिपिबद्ध किया। शिखर योग का यह अविनाशी ज्ञान कुंतीपुत्र अर्जुन को देते समय भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि मैं यह ज्ञान तुम्हें इसलिए दे रहा हूं क्योंकि तुम मेरे अनन्य भक्त हो और मित्र भी हो। अनन्य भक्त और मित्र नाम की इन दो विशेषताओं को समझना आवश्यक है जिन्होंने अर्जुन को इस अविनाशी रहस्य को सुनने और समझ पाने का पात्र बनाया। अनन्य भक्त की इस शर्त को समझना तो बहुत आसान है, जिसका मतलब है, बिना शर्त पूर्ण समर्पण। समर्पण हो, पूरा हो और बिना शर्त हो, तो व्यक्ति अनन्य भक्त हो सकता है। जब दो व्यक्तियों में परस्पर पूर्ण विश्वास हो, एक-दूसरे की नीयत पर संदेह की कोई गुंजायश न हो, बिना शर्त और किसी भी हद तक जाकर एक-दूसरे का साथ देने की इच्छा हो तो ही मित्रता सच्ची है। अर्जुन में ये सभी गुण थे। वे भगवान श्री कृष्ण के अनन्य भक्त थे, उनका समर्पण पूरा था। वे भगवान श्री कृष्ण के हर आदेश का पालन करते थे और हर सलाह पर पूरा विश्वास करते हुए उस पर अमल करते थे तथा भगवान श्री कृष्ण के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार तो वे थे ही। यह समझना फिर से आवश्यक है कि हमने शिखर योग के बारे में पढ़ लिया और यह हमें समझ में भी आ गया, पर क्या इतना काफी है? क्या हम भगवान को प्रिय हो गए? क्या हम इस काबिल हो गए कि हम भगवान के मित्र हो सकें? एक छोटी सी कहानी से इसे समझने की कोशिश करते हैं। कहते हैं कि किसी राजा ने एक संत से प्रार्थना की कि वे उन्हें जीवन बंधन से मुक्त होने की शिक्षा दें। संत ने कहा कि कल मैं आपके दरबार में आकर आपको इसकी शिक्षा दूंगा। अगले दिन नियत समय पर संत जब दरबार में आए तो वे दरबार के एक खंभे से लिपट गए। अपने दोनों हाथों से उन्होंने उस खंभे को जकड़ लिया और जोर-जोर से चिल्लाने लगे, 'अरे देखो, यह खंभा मुझे छोड़ नहीं रहा है। कोई मुझे बचाओ, बचाओ।' यह दृश्य देखकर राजा हंसने लगा और बोला कि मैं तो समझता था कि आप बहुत ज्ञानी हैं, पर आप तो निपट मूर्ख मालूम होते हैं। खुद ही आपने खंभे को जकड़ रखा है और खुद ही चिल्लाये जा रहे हैं। खंभे से हाथ हटा लीजिए, आप मुक्त हो जाएंगे। संत ने खंभे से हाथ हटा लिये और राजा से बोले, 'जो बात आपने मुझे अभी कही है, यही बात मैं आपको बताने आया हूं। दुनियादारी का मोह छोड़ दीजिए, आप मुक्त हो जाएंगे।' सहज संन्यास मिशन में शिखर योग की व्याख्या ही यही है कि परमात्मा के प्रति हमारा समर्पण पूर्ण हो। सुख हो, दुख हो, संघर्ष हो, कठिनाई हो, मान हो, अपमान हो, स्वास्थ्य हो, बीमारी हो, अमीरी हो, गरीबी हो, हर हाल में परमात्मा का शुक्रिया ही करना है। परमात्मा चाहें जिस हाल में रखें, परमात्मा पर विश्वास में कमी न हो। कोई शिकायत न हो, बस शुक्रिया ही शुक्रिया हो। यह विश्वास भी कभी न डिगे यह पूरा ब्रह्मांड परमात्मा की ही अभिव्यक्ति है और इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु में परमात्मा का ही नूर है। मानव, पशु-पक्षी, कीट-पंतग, जलचर जीव और पेड़-पौधे ही नहीं, बल्कि निर्जीव दिखने वाली हर वस्तु में भी हम परमात्मा को ही देखें और उनके प्रति सम्मान और ममतामयी करुणा का भाव रखें। परमात्मा पर अटल विश्वास और ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन जीव और वस्तु के प्रति निश्छल प्रेम की यह भावना ही शिखर योग है और जीवन-मरण के इस चक्र से मुक्ति का एकमात्र मार्ग है।

आलेख

रेवड़ियां हासिल करने वाले ज्यादा दोषी...

ओमप्रकाश मेहता

भारतीय राजनीति में रेवड़ियों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने चिंता व्यक्त करते हुए इस प्रक्रिया को प्रजातंत्र के लिए काफी आत्मघाती कदम बताया है अब इसे प्रजातंत्र पद्धति में व्याप्त दोष कहां जाए या और कुछ

किंतु मेरी नजर में तो देश विरोधी सिलसिला है जिसके लिए रेवड़ियां बांटने वाले कम उसे हासिल करने वाले ज्यादा दोषी है

क्या हमारा स्तर इतना गिर चुका है कि आजादी की हीरक जयंती तक हम अज्ञानी और भिखारी बने हुए और थोड़े से लालच में अयोग्य और अवसरवादियों के हाथों में देश का भविष्य सौंप रहे है

हमारे राजनेताओं की तो यह एक सोची समझी चाल है जिसके तहत वे भारतवासियों को हमेशा लाचार और दया का पात्र बनाकर रखना चाहते हैं तथा समय आने पर उसकी मजबूरी का राजनीतिक फायदा उठाते रहते हैं वह नहीं चाहते कि देश का आम मतदाता अपनी ज़रूरतें पूरी करने में पूर्णता सक्षम हो

अब सर्वोच्च न्यायालय की कड़ी टिप्पणी को कितने लोग समझ पा रहे हैं या जानबूझकर समझना नहीं चाहते हैं यह एक अलग बात है किंतु इस मामले में सुप्रीमकोर्ट की चिंता एकदम सही है

अब तो हमारे प्रजातंत्र का यह आम चलन ही हो गया है कि देश के लोगों को कभी भी आत्मनिर्भर व चिंता मुक्त मत होने दो तथा इन्हें हर तरीके से इतना परेशान करके रखो कि आम आदमी उनकी शरण में आने को मजबूर हो जाए

और वह उसकी आड़ में अपनी राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि कर ले पहले तो सिर्फ चुनाव के समय ही रेवड़ियों का पिटारा खोलने का चलन था पर अब तो यह पिटारे कभी भी खोले जाने लगे हैं और राजनीतिक स्वार्थसिद्धि चुनावों की तरह 12 मास जारी रहती है

यही नहीं इन पर अंकुश तो राजनेता अपने स्वार्थ वश लगा नहीं रहें हैं, और सरकारें भी इस दिशा में मौन दर्शक बनी हुई है अब ऐसी स्थिति मे न्यायपालिका ही है जिसने अपना मौन तोड़ा है और वह अब इस दिशा में भी सक्रिय नजर आ रही है।

ब यहां अहम सवाल यह पैदा होता है की आजादी के 75 साल आम नागरिक आज याचक क्यों बना हुआ है

इतनी लंबी अवधि में वह हर दृष्टि से आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया वास्तविकता यह है कि हमारे राजनेताओं ने ही आम आदमी को आत्मनिर्भर नहीं बनने दिया हर सुविधा आम आदमी को मुफ्त में मुहैया करा कर उसे आलसी बना दिया

जीवन की हर सुविधा यदि मुफ्त में मिल जाए तो फिर भला मेहनत करना कौन पसंद करेगा यही स्थिति आज भारत में आम आदमी की है।

और आम आदमी का हाल यह है कि आजादी के इतने लंबे अंतराल के बाद भी वह लाचार और बेबस बना हुआ है जिसका फायदा राजनीतिक दल उठा रहे है और सही तो यही है कि जब तक आम आदमी स्वयं को लेकर सक्रिय नहीं होगा

तब तक देश में यही सब चलता रहेगा फिर देश चाहे किसी भी दिशा मे क्यों न जाए और इसीलिए आज जो चिंता आम आदमी को करनी चहिए वह सर्वोच्च न्यायालय कर रहा है

अब इस सब के बाद भी हम यदि नहीं जागे तो फिर हमारे दुर्भाग्य के लिए और कोई नहीं हम स्वयं ही दोषी होंगे और यदि यही आगे भी चलता रहा तो हम भारतवासी फिर से अपनों के ही अधीन होकर परतंत्र की जिंदगी गुजारेंगे और देश में लूटमार जारी रहेगी और इसका भविष्य अंधकार में हो जाएगा

भारत के कृषि-निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि:प्रथम बार हुए कई महत्वपूर्ण निर्यातों ने इतिहास रचा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत के कृषि निर्यात में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है जिसमें कई उत्पादों ने पहली बार अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बनाई है। यह ऐतिहासिक विस्तार न सिर्फ व्यापार के संदर्भ में है अपितु यह किसानों को सशक्त बनाने, ग्रामीण आय को बढ़ावा देने और भारत की समृद्ध कृषि विरासत को वैश्विक पटल पर लाने से भी जुड़ा है। विशिष्ट फलों से लेकर पारंपरिक भोज्य पदार्थों तक, निर्यात की यह पहली खेपें इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि मोदी सरकार का आत्मनिर्भर भारत का विजन भारतीय किसानों के लिए किस तरह से नए अवसरों का सृजन कर रहा है। मोदी सरकार के नेतृत्व में पहली बार किए गए कुछ उल्लेखनीय कृषि निर्यात इस प्रकार हैं: भारत के कृषि निर्यात में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत ने समुद्री मार्ग से क्रमश: प्रीमियम सांगोला और भगवा अनार की पहली खेप को सफलतापूर्वक ऑस्ट्रेलिया भेजा। यह सफलता न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में भारत के ताज़े फलों की बाज़ार पहुंच को बढ़ाती है, बल्कि इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक भारतीय उत्पादों के प्रवेश का मार्ग भी प्रशस्त होता है। भारत के अनोखे जीआई-टैग युक्त पुरंदर अंजीर अब यूरोप में धूम मचा रहे हैं। वर्ष 2024 में, मोदी सरकार ने पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस को पोलैंड को निर्यात करने की सुविधा दी। इससे पहले इसे वर्ष 2022 में जर्मनी को भी निर्यात किया गया था। पुरंदर अंजीर अपने विशिष्ट स्वाद और रंग-रूप के लिए जाने जाते हैं। यह निर्यात वैश्विक मंच पर भारत के अनूठे कृषि-उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत द्वारा अपने फलों के निर्यात में विविधता लाने के प्रयास के अंतर्गत, स्थानीय रूप से कमलम के नाम से जाने जाने वाले फाइबर और खनिज युक्त ड्रैगन फरूट को वर्ष 2021 में लंदन और बहरीन निर्यात किया गया। लंदन को निर्यात की गई खेप गुजरात के कच्छ क्षेत्र के किसानों से प्राप्त की गई थी, जबकि बहरीन को भेजी गई खेप पश्चिमी मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) के किसानों से प्राप्त की गई थी। वर्ष 2023 में भारत ने अमेरिका को हवाई मार्ग से ताजे अनार की अपनी पहली ट्रायल शिपमेंट निर्यात करके अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। महाराष्ट्र के भगवा अनार में निर्यात की पर्याप्त संभावनाएं हैं और देश से फलों के निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत राज्य के सोलापुर जिले से होता है। पूर्वोत्तर के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में वर्ष 2021 में, असम के लेटेकु के रूप में जाने जाने वाले बर्मी अंगूर की पहली खेप को दिल्ली के माध्यम से गुवाहाटी से दुबई भेजा गया। इस निर्यात ने असम के विदेशी उत्पादों को वैश्विक मानचित्र पर स्थान दिला दिया है जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की क्षमता भी सिद्ध हुई है। वर्ष 2021 में जर्मनी को त्रिपुरा से भारत के ताजे कटहल का स्वाद मिला। पहली बार हवाई मार्ग से त्रिपुरा से जर्मनी तक ताजे कटहल की एक खेप निर्यात की गई। अगरतला से एक मीट्रिक टन ताजे कटहल की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई गई। यह उपलब्धि मोदी सरकार द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात मानचित्र पर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है।

किंग चिली 'राजा मिर्च' पहली बार नागालैंड से लंदन भेजी गई

पहली बार वर्ष 2021 में पूर्वोत्तर क्षेत्र से जीआई उत्पादों के निर्यात को एक महत्वपूर्ण आकार देते हुए, नागालैंड से किंग मिर्च के नाम से विख्यात 'राजा मिर्च' की एक खेप को पहली बार हवाई मार्ग से गुवाहाटी के रास्ते लंदन निर्यात किया गया। इसकी जल्दी खराब होने वाली प्रकृति को देखते हुए, इस उत्पाद का निर्यात करना एक चुनौती थी लेकिन भारत ने सफलतापूर्वक इसके हवाई शिपमेंट की सुविधा प्रदान की, जिसने विशेष कृषि-निर्यात को संभालने में भारत की क्षमताओं को उजागर किया। वर्ष 2021 में, भारत की चावल निर्यात क्षमता को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन देते हुए, 'लाल चावल' की पहली खेप को अमरीका के लिए निर्यात किया गया। असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में बिना किसी रासायनिक खाद के आयरन से भरपूर 'लाल चावल' उगाया जाता है। चावल की इस किस्म को 'बाओ-धान' कहा जाता है और यह असमिया भोजन का एक अभिन्न अंग है।

केरल से दुबई और शारजाह के लिए वज़ाकुलम अनानास की पहली खेप

वर्ष 2022 में भारत ने केरल के एर्नाकुलम से दुबई और शारजाह, यूएई के लिए जीआई टैग युक्त वज़ाकुलम अनानास की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई गई। इससे अनानास किसानों को अधिक आय अर्जित होगी और वैश्विक बाजार में उनके उत्पाद का अधिक प्रचार होगा।

अधिक से अधिक प्ले फील्ड बनाओ....

भूपिंदर सिंह

पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती हैजकिसी भी सभ्यता या देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं, किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार, स्कूल प्रशासन व अभिभावकों को इस विषय पर सचेत हो जाना चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। इसलिए विद्यालय स्तर पर माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। इसलिए शिक्षा संस्थानों, स्थानीय पंचायत तथा गांव व मोहल्ला स्तर पर खुले मैदानों व इंडोर प्ले फील्ड का होना बहुत जरूरी है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वह आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सके। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। इस विषय पर इस कॉलम के माध्यम से पहले भी अनेकों बार अभिभावकों व विद्यालय प्रशासन को सचेत किया है कि अपने विद्यार्थी बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में अब तो सोच कर कुछ हल निकालो। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य था। इस सबके पीछे कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों की दूरगामी सोच थी। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों

के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। नब्बे के दशक चलते ही हिमाचल प्रदेश में खेलों के लिए तत्कालीन खेल मंत्री रामलाल ठाकुर ने शुरुआती दौर में अच्छा कार्य किया था। प्रेम कुमार धूमल ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय खेल ढांचा, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा प्रशिक्षकों की नियुक्ति करके खेलों को गति दी। जयराम सरकार में पहले गोविंद ठाकुर व बाद में राकेश पठानिया ने खेल मंत्री रहते हुए नई खेल नीति दी जिसमें काफी आकर्षक व नगद ईनाम रखे हैं। अब सुक्खू सरकार ने कुछ ईनामों में और सम्मानजनक बढ़ोतरी कर दी है। अच्छा होता राज्य प्रशिक्षक भी भर्ती होते क्योंकि खिलाड़ी तो प्रशिक्षक ही बनाएगा, मगर सरकार तो ठेके पर मजदूर की दिहाड़ी पर अब प्रशिक्षक व अन्य कर्मचारी नियुक्त कर रही है। जब लाखों बच्चों के लिए फिटनेस कार्यक्रम बनेगा तो उसमें से ही फिट नागरिक प्रदेश को मिलेंगे। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, मंगलवार 25 फरवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मेडीकल विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा देहदान: देहदान देश का भविष्य सुधारने में मील का पत्थर होगा साबित- खुशाल चन्द्र साहू

ललितपुर (विश्व परिवार)। जीते जी लोगों के काम आयें और मरने के बाद भी अपने शरीर के अंगों को दान कर मानवता की मिशाल पेश की जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए जिले में शान्ति साहू देहदान समिति का गठन किया गया है। इस समिति के जरिए ऐसे लोग जो मरणोपरान्त अपने शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों व देह का दान देकर दूसरों को दान कर मानवता की मिशाल पेश कर सकेंगे। इस समिति के गठन उपरान्त शहर में राजश्री ड्राईक्लीनर्स के संचालक सुन्दरलाल रजक एवं जिला महिला अस्पताल में वार्ड आया पद पर तैनात मुन्नीदेवी साहू ने अपनी देह को दान किया। यह जानकारी देते हुये समिति के संचालक खुशालचंद्र साहू ने बताया कि उन्होंने जरूरतमंद लोगों को अंग व मेडीकल कॉलेज में अध्ययन करने के लिए आने वाले विद्यार्थियों को चिकित्सीय शिक्षा में अग्रेतर करने के लिए देहदान करने के लिए लोगों को जागरूक किया जायेगा। बताया कि मुन्नीदेवी साहू व सुन्दरलाल रजक द्वारा देहदान करने के समय प्रधानाचार्य डा.द्विजेन्द्र नाथ, एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डा. श्रुति सिंह, सीनियर फिजीशियन डा. पवन सूद, सीएमएस डा मीनाक्षी, डा. मोनिका जायसवाल, डा. नंदलाल यादव, भरतसिंह, चन्द्रशेखर, मुजफ्फर खान, मयंक पटैरया, अमित साहू, सुमित साहू एवं सपा नेता ज्योति सिंह, लोधी गीता मिश्रा, परवेज पठान, पत्रकार अमित लखेरा आदि मौजूद रहे।

जय व्यापार पैनल को विजयी बनाने हेतु शहर के 21 व्यापारिक संगठनो ने समर्थन दिया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज चुनाव में जीत के प्रमुख दावेदार माने जाने वाले पैनल, जय व्यापार पैनल के प्रदेश अध्यक्ष पद के प्रत्याशी श्री अमर पारवानी, प्रदेश महामंत्री पद के प्रत्याशी श्री अजय भसीन एंव प्रदेश कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी श्री उत्तम गोलछा ने अपना दौरा तेज कर दिया है। इसी क्रम में आज जय व्यापार पैनल के सदस्यों ने शहर के विभिन्न व्यापारिक संगठनो का सघन दौराकर कर व्यापारियों से मुलाकात कर जय व्यापार पैनल के सभी प्रत्याशियों को प्रचंड मतों से विजयी बनाने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान जय व्यापार पैनल को शहर के विभिन्न व्यापारिक संगठनो का भरपूर सहयोग एवं समर्थन मिल रहा है। जय व्यापार पैनल को निम्नाकिंत व्यापारिक संगठनों ने अपना पूर्ण समर्थन दिया है- महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ। रायपुर आयरन एण्ड स्टील ट्रेड एसोसियेशन। रायपुर स्कूटर पार्ट्स डीलर वेलफेयर एसोसियेशन सोसायटी। छत्तीसगढ़ केमिस्ट एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसियेशन। आलू प्याज आढ़तिया संघ। छत्तीसगढ़ पेन्ट्स एण्ड़ कलर मेनुफेक्चर्स एसोसियेशन। रायपुर प्लायवुड ट्रेडर्स एसोसियेशन। फरिश्ता काम्पलेक्स व्यापारी संध। हार्डवेयर पेन्ट्स एण्ड़ सेनेटरीवेयर डीलर्स एसोसियेशन। थोक अनाज व्यवसायी कल्याण संघ। छत्तीसगढ़ फटाका व्यापारी संघ। रायपुर सायकल मर्चेन्ट एसोसियेशन। थोक किराना व्यापारी संघ।

चंद्रगिरी डोंगरगढ़ अपने आप में छत्तीसगढ़ का महातीर्थ क्षेत्र है : मुनि श्री समतासागर महाराज जी

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। चंद्रगिरी डोंगरगढ़ अपने आप में छत्तीसगढ़ का महातीर्थक्षेत्र है इस पहाड़ी से जैन पुरातत्व की विशेषताऐं और प्राचीनता जुड़ी हुई है उपरोक्त उदगार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज ने व्यक्त किये मुनि श्री ने कहा संस्कृत में क्षेत्र का अर्थ जमीन से लिया गया है जैसे किसान के लिये जमीन का महत्व होता है उसी प्रकार धर्मात्मा के लिये क्षेत्र अर्थात ऐसा प्राचीन स्थान जहाँ पर तीर्थंकर भगवान के कल्याणक हुये हों अथवा कोई मुनि वहां से मोक्ष गया हो ऐसे स्थलों को तीर्थक्षेत्र कहते है। उन्होंने क्षेत्र की महिमा बताते हुये कहा कि जैसे किसान के पास कितना ही अच्छा बीज क्यों न हो, लेकिन यदि उसके पास उस बीज को बोने के लिये अच्छी जमीन नहीं है तो वह बीज अच्छी फसल प्रदान नहीं कर पाता और उन बीजों की परंपरा भी आगे नहीं बढ़ पाती लेकिन बीज यदि कमजोर है, यदि उसे अच्छी जमीन पर बो दिया जाये तो फसल अच्छी आती है और किसान मालामाल हो जाता है, उसी प्रकारश्रद्धा आपके पास है लेकिन उस श्रद्धा को यदि उचित धार्मिक वातावरण नहीं मिले तो वह श्रद्धा के भाव समाप्त हो जाते है चंद्रगिरी डोंगरगढ़ अपने आप में छत्तीसगढ़ का महातीर्थ क्षेत्र है इस पहाड़ी से जैन पुरातत्व के रुप में प्राचीनता जुड़ी हुई है 7 मुनि श्री ने इतिहास बताते हुये कहा लगभग 110 वर्ष पहले जब जहाँ पर रेल्वे लाईन की खुदाई का कार्य चल रहा था तो खुदाई में जैन तीर्थकरों की प्रतिमाएं प्राप्त हुई तथा कई प्रतिमाओं के अवशेष मिले इससे यह सिद्ध होता है कि यह क्षेत्र जैन संस्कृति का विशेष केंद्र रहा होगा जहाँ का सुरम्य प्राकृतिक शांत वातावरण में आचार्य गुरुदेव की करुणा को इतनी बरसी कि यह क्षेत्र पूरे छत्तीसगढ़ का इकलौता ऐसा तीर्थक्षेत्र बन गया7 अष्ठम तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु का जहाँ अतिशय है और उनके नाम से ही यह क्षेत्र प्रसिद्ध हुआ है इसके साथ इस क्षेत्र की एक विशेषता और जुड़ गई कि गुरवर ने अपनी साधना संल्लेखना का अंतिम समय इसी क्षेत्र पर गुजारा इसलिये यह तीर्थ ही नहीं बल्कि महातीर्थ है7 मुनि श्री ने कहा हम सभी के पास गुरुदेव के द्वारा उच्च किस्म के भावों के बीज है लेकिन उन बीजों को बोने के लिये यदि योग्य जमीन न मिले तो वह भावों के बीज ही अकेले नष्ट नहीं होंगे उन बीजों की परंपरा ही नष्ट हो जाऐगी7 उन्होंने कहा कि जहाँ पर आचार्य श्री के चातुर्मास और शीतकालीन वाचना होंने से यह तपो भूमी, साधना भूमी तथा स्वाध्याय भूमी के रूप में प्रसिद्ध हो गया है।

क्षेत्र पर साधू संतों का आगमन और उनकी साधना तथा उत्पन्न वर्गणाओं से यह क्षेत्र और भी अधिक अतिशयकारी होता जा रहा है। प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया वर्तमान में जहाँ पर निर्यापक मुनि श्री समतासागर जी, मुनि श्री पवित्रसागर जी, निर्यापक श्रमण वीरसागर जी, मुनि श्री आगमसागर जी, मुनि श्री पुनीतसागर जी सहित वरिष्ठ आर्यिका गुरुमति माताजी, आर्यिकारत्न दृणमति माताजी, आर्यिकारत्न आदर्शमति माताजी सहित ऐलक, क्षुल्लक तथा बाल ब्रहम्चारीओं के द्वारा प्रतिदिन प्रात:काल आचार्य सार मध्यान्ह में आचार्य कुंदकुंद द्वारा रचित प्रवचनसार का स्वाध्याय चल रहा है जिसमें तत्वचर्चा के साथ जिज्ञासाओं का भी समाधान भी होता है7 प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं प्रचार प्रमुख निशांत जैन ने बताया प्रात: 7:30 से अभिषेक और शांतिधारा तथा आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी महाराज की समाधि स्थल पर प्रात:8:30 बजे से गुरुदेव के चरण पर प्रछालन एवं विद्यानिधि आचार्य श्री समयसागर महाराज की भक्तीभाव से पूजन के पश्चात विराजमान मुनिसंघ तथा आर्यिकासंघ के प्रवचन चल रहे है7 जहाँ पर सायंकाल में आचार्य भक्ति का दृश्य बहुत ही अनोखा दिखाई देता है, इस अवसर पर देश विदेश से भक्त श्रद्धालुओं का प्रतिदिन आवागमन हो रहा है।

प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन की हुई स्थापना

दामोद/गुजरात (विश्व परिवार)। गुजरात की पावन धरा दाहोद में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतिम दिवस मोक्ष कल्याणक के दिन श्री दिगंबर जैन 20 पंथी ट्रस्ट दाहोद गुजरात एवं जैन विद्या एवं प्राकृत विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर (राज.)के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय प्राकृत विद्वत सम्मेलन का आयोजन परम पूज्य प्राकृताचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ।जिसके अंतर्गत प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन की रूपरेखा तैयार हुई, परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं उपस्थित विद्वत समूह की सर्वसम्मति से आदरणीय डॉक्टर ऋषभचंद जैन फौजदार (एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह) को अध्यक्ष के पद पर सुशोभित किया गया।

इसी अवसर पर विद्याभूषण लोकमंगल न्यास, नई दिल्ली द्वारा सिद्धांत चक्रवर्ती आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज की स्मृति में प्राकृतवाङ्मयचिंतामणि की उपाधि से प्रोफेसर ऋषभचंद फौजदार को विभूषित किया गया।जिसके अंतर्गत शाल, श्रीफल, माला व एक लाख रुपये की नगद राशि प्रदान की गई।

इसी अवसर पर प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के विधान पत्र का भी विमोचन किया गया एवं प्रकृताचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज की जीवन पर मुनिश्री सुश्रुत सागर जी महाराज द्वारा गुरु गुणानुवाद स्वरूप लिखित कृति का विमोचन हुआ।

इसी के साथ पूज्य आचार्य श्री द्वारा लिखित वयणसारो नामक एक लघुकाय ग्रंथ की गाथाओं पर प्रतिष्ठाचार्य पंडित श्री पवन जी दीवान द्वारा रचित पद्यानुवाद कृति का विमोचन हुआ।

इस प्रकार प्रथम सत्र के प्रवचनांशो में आचार्य श्री ने प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन को भरपूर आशीर्वाद दिया। तत्पश्चात 5 वर्ष के पश्चात आयोजित युग प्रतिक्रमण का बड़ी भव्यता के साथ पूज्य आचार्यश्री के मुखारविंद से किया गया। जिसमें चतुर्विध संघ की 108 पिच्छी, शताधिक विद्वतवर्ग, शताधिक श्रेष्ठीवर्ग तथा हजारों की संख्या में श्रावक-श्राविकाओं की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो धर्मचंद जी कुरुक्षेत्र तथा सारस्वत अतिथि डॉ नरेन्द्र जी गाजियाबाद व प्रो ऋषभचंद जी फौजदार द्वारा की गई।कार्यक्रम का संचालन डॉ शैलेश बांसवाड़ा व डॉ राजेश ललितपुर द्वारा किया गया। -नरेन्द्र अजमेरा

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज को तोड़ने का चल रहा हैं षड्यंत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। कल्चरल मार्क्सवाद स्टडी सर्कल की ओर से रायपुर के स्वदेशी भवन में Brain Storming Session का आयोजन किया गया. वर्तमान परिस्थितियों में कल्चरल मार्क्सवाद का समाज के विभिन्न क्षेत्रों में प्रभाव को लेकर यहां विशेषज्ञो ने अपनी राय रखी. कार्यक्रम में विशेष रूप से कैलाश चंद्र जी उपस्थिति में कल्चरल मार्क्सवाद स्टडी सर्कल छत्तीसगढ़ प्रान्त की ओर से इस दौरान अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया।

समारोह में क्षेत्र प्रचार प्रमुख कैलाशचंद्र जी ने कहा कि एक बात पक्की हैं. भाषा, बोली पहनावा, रीती रिवाज़ ये सब संस्कृति व्यक्त करने के माध्यम हैं ये संस्कृति नहीं हैं. संस्कृति इन सबसे बाहर ऊपर हैं और ये व्यक्त भी होती हैं. भारत का दर्शन कहता हैं धर्म की जय हो, सभी का कल्याण हो. सर्वे भवन्तु सुखिनः. कल्चरल मार्क्सवाद एक ग्लोबल फ़ोर्स हैं. कल्चर से तात्पर्य ट्रेडिशन जैसे बड़ों के पैर छूने चाहिए, वहीं पाश्चात्य देशो में धर्म नहीं धार्मिक व्यकति की जय होती हैं. भारतीय दर्शन कहता धर्म की जय हो विश्व का कल्याण हो. देश की संस्कृति एक हैं अलग अलग क्षेत्रों में भाषा अलग हो सकती है लेकिन भावनाए एक हैं, संस्कृति एक हैं. भारत का दर्शन कहता हैं कोई भी संस्कृति नष्ट नहीं होना चाहिए. भाषा के आधार पर राष्ट्र बने टिके नहीं. भारत देश का मूल प्राण धर्म हैं, जो परहित के लिए काम करता हैं. परहित की कामना से ऋषियों ने राष्ट्र की स्थापना की।

जनजाति क्षेत्र कार्य प्रमुख एवं विमर्श प्रमुख सतीश गोकुल पंडा जी ने कहा कि मार्क्सवाद वर्ग संघर्ष का सिद्धांत था जिसमें आर्थिक आधार पर लोगों को बांटा गया. लेकिन बाद में कम्युनिस्टो को लगा कि लोगों को केवल आर्थिक आधार पर नहीं बांटा जा सकता, उनको कल्चर, बोली, भाषा, रहन सहन, क्षेत्र के आधार पर लड़ाया गया. जो आज भी हम देश के अलग अलग हिस्सों में देख सकते हैं. कल्चरल मार्क्सवाद ना केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व की मानवता के लिए बड़ा खतरा हैं।

क्षेत्र प्रमुख कल्चरल मार्क्सवाद स्टडी समूह विश्वजीत जी ने कहा कि कल्चरल मार्क्सवाद ने हमें इतना प्रभावित कर दिया हैं कि हम उससे पूरी तरह जकड़ते जा रहें हैं. आज शत्रुओ के पास जो शस्त्र है उसका ज्ञान होना जरूरी हैं.

धूमधाम से मनाया गया मैक वार्षिकोत्सव-स्पेक्ट्रम ऑफ लाइफ

मैक में वार्षिकोत्सव मैक कार्निवाल की धूम, स्पेक्ट्रम ऑफ लाइफ के द्वारा मैक कॉलेज में रंगों का दिखा विभिन्न रूप

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (मैक), समता कॉलोनी रायपुर में दिनांक 22/02/2025 (शनिवार) को वार्षिक उत्सव ''मैक कार्निवाल बड़ी धूमधाम एवं शानदार तरीके से मनाया गया। इस वर्ष वार्षिकोत्सव अपने नए रूप के साथ प्रस्तुत हुआ जिसका थीम है स्पेक्ट्रम ऑफ लाइफ। वार्षिकोत्सव मुख्य अतिथि लोकसभा सदस्य आदरणीय श्री बृजमोहन अग्रवाल जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप मे नवनिर्वाचित महापौर श्रीमती मीनल चौबे की गरिमामयी उपस्थिति ने भव्यता प्रदान की।

महाविद्यालय के चेयरमैन आदरणीय श्री राजेश अग्रवाल जी, पूर्व चेयरमैन आदरणीय श्री रमेश अग्रवाल जी, सचिव आदरणीय श्री अनिल अग्रवाल जी एवं अन्य ट्रस्टीगण तथा अग्रवाल समाज के सम्माननीय सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहें।

सर्वप्रथम कार्यक्रम का आरंभ मैक परंपरा के अनुसार संगीत, श्री अग्रसेन जी और माँ सरस्वती की वंदना, मैक म्युजिक की शानदार प्रस्तुति के द्वारा एवं अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। तत्पश्चात् कॉलेज के चेयरमैन आदरणीय श्री राजेश अग्रवाल जी के स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ। वार्षिकोत्सव में विश्वविद्यालय गोल्ड मेडलिस्ट बी. कॉम तृतीय वर्ष सी.एच. तिरिशा एवं बीबीए तृतीय वर्ष की वंशिका अग्रवाल तथा मेरिट सूची में नाम दर्ज कराने वाले छात्र-छात्राओं तथा मैक बेस्ट, बेस्ट इन पर्सनॉलिटी, डिसीप्लिन, क्लास टॉपर, बेस्ट रोवर, बेस्ट रेंजर तथा अन्य क्षेत्रों मे उत्कृष्ट बच्चों को पुरस्कृत किया गया साथ ही बेस्ट प्राध्यापक डॉ. जगदीश साहू (वाणिज्य विभाग) को उनके सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए एवं श्रीमती वर्तिका श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर एप्लीकेशन उनके लॉग अवधि के लिए सम्मानित किया गया।

माननीय बृजमोहन अग्रवाल जी ने मैक कॉलेज की प्रशंसा करते हुये कहा कि मैक कॉलेज बी.कॉम के लिए सबसे टॉप का कॉलेज है, मेरिट सूची में विद्यार्थियों का नाम आना इस बात का प्रमाण है साथ ही यहां के बच्चे अनुशासन अपने कर्तव्य में अग्रणी है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे जी कहा कि प्रथम बार इस कॉलेज में आकर मुझे आनंद का अनुभव हो रहा है। मैक का नाम शैक्षणिक स्तर पर कॉफी चर्चित है।

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड आईटी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मैट्स यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय CATIA वर्कशॉप का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड आईटी (एमएसईआईटी) के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मैट्स यूनिवर्सिटी, आरंग कैंपस में तीन दिवसीय CATIA वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह वर्कशॉप 24 फरवरी 2025 से अरभट ब्लॉक के स्मार्ट रूम में आयोजित की गई। इस वर्कशॉप का उद्देश्य छात्रों को नवीनतम तकनीकी कौशल से सशक्त बनाना और शैक्षणिक ज्ञान तथा उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करना था। CATIA एक अग्रणी CAD/CAM/CAE सॉफ्टवेयर है, जो उत्पाद मॉडलिंग, सिमुलेशन और विश्लेषण के लिए व्यापक रूप से इंजीनियरिंग और डिजाइन उद्योग में उपयोग किया जाता है। इस वर्कशॉप के माध्यम से छात्रों को CATIA के एडवांस्ड डिज़ाइन टूल्स का व्यावहारिक अनुभव और रियल-वर्ल्ड एप्लिकेशन को समझने का अवसर मिला।

इस वर्कशॉप का संचालन श्री नरेश केसरीया ने किया, जो CAD/CAM/CAE प्रोजेक्ट्स, डिजाइन इंजीनियरिंग, और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में 28 से अधिक वर्षों का समृद्ध अनुभव रखते हैं। अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम (UK) में प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्य कर चुके श्री केसरीया CREO, CATIA Vz, SolidWorks, ANSYS, Mold Flow Analysis, Image Ware, Hypermesh, और Auto Forge जैसे सॉफ्टवेयर में विशेषज्ञता रखते हैं। उनके व्यावहारिक अनुभव और गहन ज्ञान ने छात्रों को CATIA सॉफ्टवेयर की क्षमता और इसके इंजीनियरिंग डिजाइन में उपयोग को समझने में काफी मदद की।

वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र में एमएसईआईटी की निदेशक डॉ. आशा अंभईकर ने छात्रों की उत्साही भागीदारी के लिए बधाई दी और इस तरह के वर्कशॉप्स को छात्रों को उद्योग-उपयुक्त प्रोफेशनल्स के रूप में तैयार करने में महत्वपूर्ण बताया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र नायक ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस तरह के तकनीकी सत्रों को पाठ्यक्रम को उद्योग के बदलते मानकों के अनुरूप बनाए रखने के लिए आवश्यक बताया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की आयोजन समिति ने इस वर्कशॉप को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी मेहनत और समर्पण ने छात्रों के लिए एक ऐसा मंच तैयार किया, जहां वे 3ष्ठ मॉडलिंग, सिमुलेशन, और ड्राफ्टिंग तकनीकों को सीखते हुए वास्तविक इंजीनियरिंग समस्याओं को हल करने का अनुभव प्राप्त कर सके।

दिल्ली से गिरनार की 1500 किमी लम्बी अहिंसा धर्म पद यात्रा में भगवान नेमिनाथ की प्रतिमा विराजित अहिंसा रथ के होंगे दर्शन

दिल्ली (विश्व परिवार)। दाहोद पंचकल्याणक महोत्सव में 23 फरवरी 2025 को पूज्य आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी मुनिराज ससंघ के सानिध्य में श्री सुनील सागर युवा संघ द्वारा आयोजित विशाल युवा सम्मेलन में विश्व जैन संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश से संगठन की शाखाओं के सदस्यों ने सहभागिता की!

युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने देश के अनेकों राज्यों से आए युवाओं से जैन धर्म, तीर्थों का संरक्षण, संतों की सुरक्षा करने और अगामी 23 मार्च 2025 को दिल्ली से 101 दिवसीय नेमि गिरनार धर्म पद यात्रा में शामिल होकर जैन सिद्धांतों और अहिंसा के प्रचार में सहयोग करने का आह्वान करते हुए पद यात्रा के मध्य प्रदेश से वाया दाहोद से होकर नेमि मोक्ष दिवस 2 जुलाई को जूनागढ़ गिरनार जी पहुंचने की घोषणा की। पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज ने धर्म पद यात्रा को आशीर्वाद देते हुए अहिंसा, शाकाहार, सदाचार, व्यसनमुक्ति, भारतीय एकता और मैत्री भाव का संदेश देते हुए भगवान नेमिनाथ के दर्शन करने का अवसर देने वाले अहिंसा रथ और पद यात्रा में भारतीय एकता व धर्म की अखंडता का संदेश देने के लिए 1008 फीट लंबे तिरंगे और जैन ध्वज को पद यात्रा में साथ चलने का मार्गदर्शन दिया। भगवान महावीर विराजित अहिंसा रथ के 70000 किमी भ्रमण के समापन समारोह में अहिंसा रथ को भगवान नेमिनाथ की प्रतिमा के साथ दिल्ली से गिरनार जी धर्म पद यात्रा में साथ चलने की घोषणा की गई। संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यश जैन ने बताया कि श्री चारुकीर्ति भट्टारक जी, मूडबद्री ने पद यात्रा को आशीर्वाद दिया और संगठन के अध्यक्ष संजय जैन द्वारा युवा सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि गुजरात के शिक्षा मंत्री श्री कुबेरभाई डिंडोर को गिरनार जी धर्म पद यात्रा की जानकारी देकर यात्रा में सहयोग और सुरक्षा के लिए निवेदन किया गया।

सेजेस पतराटोली- कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को दी गई विदाई

मिस्टर एवं मिस फेयरवेल चुने गए, बीते लम्हों को याद कर भावुक हुए छात्र व शिक्षक

जशपुर (विश्व परिवार)। सेजेस पतराटोली में कक्षा बारहवीं के छात्रों के लिए विदाई समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें समस्त छात्र - छात्राओं का फूलों से स्वागत किया गया। कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों द्वारा स्वागत गीत गाकर, तिलक एवं बेच लगाकर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था प्रमुख डी. लकड़ा के द्वारा माँ सरस्वती की मूर्ति पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम में कक्षा शिक्षक अजय बड़ाईक एवं आलोक गुप्ता द्वारा बच्चों को विशेष रूप से मार्गदर्शित किया गया। इस विदाई समारोह में कक्षा नवमी एवं ग्यारहवीं हिंदी / अंग्रेजी दोनों माध्यम के द्वारा नृत्य, क्विज प्रतियोगिता, संगीत एवं विभिन्न खेल आयोजित किया गया जिसमें सभी छात्रों ने बढ़ चढ़कर भाग लिये। इसी क्रम में मिस्टर फेयरवेल एवं मिस फेयरवेल का चुनाव भी किया गया।

एनआईटी और आईआईआरएस का साझा सहयोग

मार्टियन सर्फेस, एनालॉग्स एंड एटमॉस्फियर पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का होगा आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर, के सेंटर ऑफ़ स्पेस एंड इंटरप्लेनेट्री एक्सप्लोरेशन (COSINE) द्वारा एडुसैट कार्यक्रम, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग ,इसरो के तहत 12 मार्च 2025 को मार्टियन सर्फेस, एनालॉग्स एंड एटमॉस्फियर विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह एक-दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला विभिन्न वैज्ञानिक उपग्रह मिशनों के माध्यम से प्राप्त मंगल ग्रह की जानकारी और उनके महत्वपूर्ण निष्कर्षों की चर्चा पर केंद्रित है।

यह कार्यशाला भारत सरकार के अंतरिक्ष उपक्रम, इसरो द्वारा प्रायोजित है। कार्यक्रम का संचालन आईआईआरएस के प्रमुख वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में किया जाएगा। कार्यशाला में भाग लेने के लिए केंद्रीय एवं राज्य सरकार के विभागों, निजी संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों, शोधकर्ताओं और स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों को आमंत्रित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को मंगल ग्रह के नवीनतम शोध, उपग्रह मिशनों और डेटा विश्लेषण तकनीकों से अवगत कराना है। इस कार्यशाला के प्रमुख विषयों में मंगल ग्रह अन्वेषण का अवलोकन, मंगल ग्रह का भूविज्ञान, भारतीय स्थलों पर आधारित मंगल समकक्ष अध्ययन और मंगल ग्रह के वायुमंडलीय अध्ययन शामिल हैं। कार्यशाला में भाग लेने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी https://elearning.iirs.gov.in/edusatregistration/student पर रजिस्ट्रेशन करा सकते है 7 यह कार्यशाला मंगल ग्रह की खोज और अध्ययन से संबंधित नवीनतम तकनीकों को समझने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करती है। इससे ग्रह विज्ञान में रुचि रखने वाले छात्रों, शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों को नवीनतम अंतरिक्ष अभियानों और अनुसंधान पद्धतियों की गहरी जानकारी प्राप्त होगी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, मंगलवार 25 फरवरी 2025

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर-एसपी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

मोहला(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति एवं पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह ने रविवार को स्थानीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी के विभिन्न ग्राम पंचायतों के साथ छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर, महाराष्ट्र सीमा से लगे ग्राम पंचायत चिल्हाटी, कोरचाटोला पहुंचकर मतदान केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मतदाताओं को मतदान करने प्रोत्साहित किया। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में मतदाताओं का मतदान के प्रति रुझान को देखकर कलेक्टर और एसपी ने प्रसन्नता जाहिर किया। इन क्षेत्र के मतदाताओं को बिना किसी भय के मतदान के प्रति रुझान देखने को मिला। कलेक्टर और एसपी ने इन क्षेत्र में स्थापित मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था, मतदाताओं के लिए की गई आवश्यक व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र सीमा में पहुंचकर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सुरक्षा में लगे जवानों का हाल चाल जाना। सुरक्षा में लगे जवानों का हौसला आपजाही करते हुए उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन आपके साथ है। आप बेफिक्र होकर निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। नपद पंचायत अंबागढ़ चौकी के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायत में शांतिपूर्ण निर्वाचन कार्य संपन्न हुआ। सभी मतदान केन्द्रों में मतदाताओं ने उत्साह पूर्वक मतदान किया। मतदान कार्य में लगे अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से निष्ठा पूर्वक कर्तव्य निर्वहन किया गया। स्थानीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी के सभी ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता के साथ शांतिपूर्ण निर्वाचन कार्य संपन्न होने पर कलेक्टर ने सभी मतदाताओं, जिले के नागरिकगणों, राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों, निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों, मीडिया प्रतिनिधियों, सुरक्षा में लगे जवानों, मतदान कार्य के लिए नियुक्त अधिकारी कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नक्सल प्रभावित कस्तूरमेटा में पहली बार मतदान

नारायणपुर(विश्व परिवार)। राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तीसरे चरण के तहत मतदान प्रक्रिया जारी है। इस चरण में प्रदेश के 50 ब्लॉकों में वोटिंग हो रही है, जिसमें खासतौर पर नक्सल प्रभावित क्षेत्र कस्तूरमेटा में पहली बार मतदान हो रहा है। अबूझमाड़ के इस इलाके में पहले नक्सलियों के धमकियों और चुनाव बहिष्कार की वजह से मतदान नहीं होता था, लेकिन इस बार बड़ी संख्या में ग्रामीण लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग ले रहे हैं। इस ऐतिहासिक पल के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। जिला मुख्यालय में रह रहे सैकड़ों ग्रामीण नक्सलियों की धमकियों के बावजूद मतदान के लिए अपने गांव लौट आए हैं। प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किए गए हैं ताकि मतदान शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके।

पौधारोपण अभियान : नपा अध्यक्ष विजय सिन्हा ने रोपे पौधे

विदेश से भी दानदाताओं ने पौधा लगवाया

बेमेतरा(विश्व परिवार)। साठ पौधे तीस दानदाता कुछ विदेश से भी पौधारोपण का सारा खर्च इन दानदाताओं ने सहयोग बेमेतरा को अपने परिजनों की स्मृति में पौधारोपण और संरक्षण के लिए प्रदान किए जिसमें पौधे जाली घेरा आदि शामिल है। बीते रविवार को सहयोग का वर्ष 24-25का अंतिम पौधारोपण अभियान नगर के भोजली तालाब किनारे चौपाटी के सामने किया गया समिति के सदस्यों की कड़ी मशक्कत के बाद एक माह के अथक परिश्रम से तालाब पार को साफसुथरा कर पौधापन के लायक तैयार किया। सहयोग के पौधारोपण के आव्हान पर वार्ड वासी नगर जन स्वस्फूर्त्त पौधा लगाने पहुंचे वार्ड नंबर 2,3,20,21की सीमा से लगे भोजली तालाब में सहयोग ने सहयोग के अध्यक्ष डॉ सुभाष चौबे सचिव सुशील शर्मा के मार्गदर्शन में पालिका निर्वाचन में नव निर्वाचित अध्यक्ष विजय सिन्हा नगर पालिका , कोमल ठाकुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी , लक्की साहू पार्षद वार्ड नंबर 21रोमी गुंबर नेअतिथि के रूप में आज के कार्यक्रम को संपन्न कराया। संस्था की ओर से अपने उद्बोधन में सदस्य रमन काबरा ने मंचस्थ अतिथियों का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि आज नगर पीने के पानी की समस्या से जूझ रहा है अभी ग्रीष्म काल की शुरुवात नहीं हुई है पूरी गर्मी का मौसम बाकी है पानी की समस्या से निपटने के लिए सहयोग ने विभिन्न वार्डो में टोटी विहीन नलों में टोटी लगाने का अभियान प्रारम्भ करने की बात कही साथ ही लीकेज पाइपों के लिकेजो को भी बंद करने का प्रयास करने की बात कही और प्रशासन से अपील की नए नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है ।ताकि पानी की समस्या से निजात पाया जा सके ।मुख्य नगर पालिका अधिकारी कोमल ठाकुर कहा जल को बचाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाए,जल का समुचित उपयोग किया जाए। रोमी गुंबर और पार्षद लक्की साहू ने सहयोग के इस अभियान की भूरी भूरी प्रशंसा की , अध्यक्ष विजय सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहयोग परिचय की मोहताज नहीं है सहयोग को हमारी आवश्यकता नहीं है हम सभी को सहयोग की जरूरत है उन्होंने पालिका की आने वाली योजनाओं की लोगो को जानकारी दी प्राथमिकता पानी की समस्या से निपटने की बताई भविष्य में मां भद्रकाली महोत्सव मनाने की बात कही साथ ही माँ कालिका तालाब,भद्रकाली तालाब में एक कारीडोर बनाए जाने की बात कही साथ ही श्री राम जानकी मंदिर को भव्य रूप प्रदान करने की बात कही विजय सिन्हा ने सहयोग को हर संभव आर्थिक मदद करने की बात कही साथ ही ग्रीन जोन के रूप में बेमेतरा की पहचान बनाए जाने की बात कही डॉ सुभाष चौबे जी ने नगर में स्वछता और अतिक्रमण पर ध्यान दिलाया। सुशील शर्मा ने आभार प्रकट किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वार्ड पार्षदों के रूप में पंचू साहू , नीतू कोठारी , रवि मलवानी ,आकिब मलकानी , राजकुमार खांडे जी और पवन वर्मा लक्ष्य ग्रुप का श्री फ्ल दे कर सम्मान किया गया। कमलेश साहू ने कविता पाठ कर के लोगो के मन को प्रफुल्लित किया सहयोग का इस वर्ष का पांचवां पौधारोपण अभियान था चुकी इस स्थल पर परिजनों की स्मृति में पौधारोपण किया गया है अत: इस वाटिका का नाम सहयोग ने स्मृति वाटिका रखा है।

तृतीय चरण का चुनाव पथरिया में शांतिपूर्ण सम्पन्न, 79.31 प्रतिशत हुआ मतदान

सभी वर्गों के मतदाताओं में मतदान को लेकर दिखा उत्साह

मुंगेली(विश्व परिवार)। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 अंतर्गत जिले के जनपद पंचायत पथरिया में तृतीय चरण का मतदान आज शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ। सभी मतदाता अपने घरों से निकलकर संबंधित मतदान केन्द्र पहुंचे और निर्भीक होकर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता निभाई। पथरिया क्षेत्र अंतर्गत गांव की सरकार बनाने के लिए कुल 79.31 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल देव और पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के मार्गदर्शन में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए मतदान केन्द्रों में सभी मूलभूत सुविधाओं के साथ शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने हेतु सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। मतदान समाप्ति के पश्चात् मतगणना संबंधित मतदान केन्द्रों में की गई, जिसके बाद मतदान दलों की मंगल भवन पथरिया में सकुशल वापसी हुई। अपर कलेक्टर निष्ठा पांडेय तिवारी और उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेनका प्रधान ने मतदान दलों का पुष्पहार से स्वागत किया और शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने के लिए उन्हें बधाई दी।

माता कौशल्या वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा वृध्दजन सेवा सदन की शुरुआत

महासमुंद(विश्व परिवार)। माता कौशल्या वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा वृध्दजन सेवा सदन की शुरुआत शुक्रवार को की गई नि:स्वार्थ सेवा ही संकल्प के सूत्र वाक्य के साथ की गई इस नई शुरुआत के अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों में नपाध्यक्ष निखिलकांत साहू, सर्व समाज के सदस्यगण, मुक्तिधाम सेवा समिति के सदस्य सहित कई समाजसेवी मौजूद थे संचालिका श्रीमती उषा साहू ने बताया कि कौशल्या उनकी माता का नाम है जिनके नाम पर उनके द्वारा वृध्दजनों की सेवा के लिए पंजीकृत संस्था माता कौशल्या वेलफेयर फाउंडेशन का गठन किया गया है महासमुंद शहर के इमली भाटा में संचालित उक्त सेवा सदन में निवास के लिए इच्छुक हितग्राहियों को नि:शुल्क रहने, खाने और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराए जाने की तैयारी है इस अवसर पर हवन पूजन के साथ संस्था की शुरुआत की गई साथ ही सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया यहां मौजूद गणमान्य जनों में नपाध्यक्ष निखिलकांत साहू, श्रीमति माया राठौर, आस्था राठौर एवं परिवारजन, सर्व समाज से प्रीति कर्माकर वशिष्ठ, एसआर बंजारे, प्रताप महंती, अर्चना शर्मा, सुरेखा कंवर, कुमारी यादव,लक्ष्मी साहू, शांति अजय वर्मा, मुक्तिधाम सेवा समिति से राजू चंद्राकर, एवं अन्य सदस्य सहित संस्था के सदस्य हेमंत गुप्ता, मिडियाकर्मियों सहित उनके परिवारजन भी मौजूद रहे

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुआ तेंदुआ, गरियाबंद में चल रहा इलाज

गरियाबंद(विश्व परिवार)। उड़तुली घाट के पास रविवार सुबह 5 बजे एक अज्ञात वाहन की टक्कर से तेंदुआ गंभीर रूप से घायल हो गया। सुबह स्थानीय लोगों ने तेंदुए को घायल अवस्था में देखा और तुरंत वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए को रेस्क्यू कर प्राथमिक उपचार के बाद गरियाबंद लाया। फिलहाल, उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वन अधिकारियों की निगरानी में तेंदुए के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है। डॉक्टरों की विशेष टीम जल्द पहुंचने वाली है ताकि तेंदुए का समुचित इलाज किया जा सके। वन विभाग ने जानकारी दी है कि इलाज के बाद तेंदुए को दोबारा जंगल में छोड़ा जाएगा।

विश्व चिंतन दिवस पर ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल में हुआ आयोजन

बेमेतरा(विश्व परिवार)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बेमेतरा के जिला मुख्य आयुक्त प्रणीश रजक के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त डॉ. कमल कपूर बंजारे के मार्गदर्शन में बीते 22 फरवरी 2025 को ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल, बेमेतरा में विश्व चिंतन दिवस मनाया गया। स्काउट-गाइड के जनक लॉर्ड बेडेन पावेल के जन्म दिवस पर आयोजित चिंतन दिवस का मुख्य विषय हमारी कहानी रहा। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विशेष रूप से छात्राओं में आत्मविश्वास विकसित करने एवं जीवन जीने की कला को आत्मसात करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वधर्म प्रार्थना के साथ हुई। संस्था की प्राचार्य श्रीमती अल्का तिवारी ने जीवन जीने की कला, मस्तिष्क को क्रियाशील बनाने की गतिविधियाँ एवं आत्मरक्षा के गुणों के विकास पर विस्तृत जानकारी दी। गाइडर श्रीमती पूनम सलूजा ने स्काउट-गाइड की महत्ता एवं लॉर्ड बेडेन पावेल की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जिला संगठन आयुक्त फणेंद्र कुमार लोधी, गाइडर श्रीमती लक्ष्मणी साहू, सेजेस बेमेतरा की गाइड्स, राजीव ओपन क्रू के रोवर्स एवं माँ भद्रकाली ओपन रेंजर टीम के रेंजर्स उपस्थित रहे।

अहंकार रहित होकर मन बुद्धि चित्त लगाकर कथा श्रवण करना चाहिये - रुचिता

कथा शारीरिक मानसिक बौद्धिक थकान मिटाती है-- लाडली रुचिता तिवारीजी

काल के भय से मुक्त कराने वाला ग्रंथ है भागवत ---लाडली रुचिता तिवारीजी

सरायपाली(विश्व परिवार)। बड़े साजापाली में ग्रामवासियों के द्वारा विश्वमंगल हेतु संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा आयोजित है ।यह कथा दिनांक 26 /02 /2025 बुधवार को गीतापाठ, तुलसी वर्षा ,हवन, सहस्त्रधारा, पूर्णाहुति के साथ विश्राम लेगी ।कथा प्रतिदिन दोपहर लगभग 1:00 से प्रारंभ होकर हरि इच्छा तक जारी है। न्यायधानी बिलासपुर से आई हुई सुश्री लाडली रुचिता तिवारीजी व्यासासीन होकर सहज सरल सुबोध शैली में ओजपूर्ण, भगवत भक्ति से युक्त, ज्ञानमयी कथा का रसास्वादन करा रही हैं । दिनांक 19/0 2/ 2025 बुधवार को कलशयात्रा, देवपूजन ,वेदीपूजन, मंगलाचरण ,आरती के साथ कथा का शुभारंभ हुआ। कथा का शुभारंभ करती हुई कथावाचिका सुश्री लाडली रुचिता तिवारीजी ने बताई की कथा अहंकार शून्य होकर मन बुद्धि चित्त लगाकर सुनना चाहिए। कथा श्रवण करने के पश्चात उस पर चिंतन मनन जरूर करना चाहिए ।उसके बाद कथा में कही गई बातों में से अपने लिए हितकारी कार्यों को करना चाहिए। श्रेष्ठ कार्यों को करने से व्यक्ति का समाज में प्रशंसा एवं नाम होता है। घर परिवार देश समाज का भला होता है श्रेष्ठ कार्यों को करने से। कथा मनुष्य के शारीरिक मानसिक बौद्धिक थकान को मिटाती है। कथा श्रवण करने से व्यक्ति की व्यथा मिटती है ।विवेक जागृत होकर उत्तम कार्यों को करने की प्रेरणा भी मिलती है सत्संग एवं कथा श्रवण से, इसलिए जब-जब मौका मिले समय निकालकर व्यक्ति को कथा श्रवण अवश्य करना चाहिए। कथावाचिका सुश्री लाडली रुचिता तिवारीजी ने कथा के बीच-बीच में सुमधुर भजन गाकर श्रोता समाज को नृत्य करने के लिए मजबूर कर देती हैं। आगे कथावाचिका ने कथा सुनाती हुई और बोली कि यह श्रीमद्भागवत कथा व्यक्ति को काल के भय से मुक्त कर देता है। श्रीमद्भागवत समाज में क्रांति एवं व्यक्ति के मन में शांति लाने वाला शास्त्र है। श्रीमद्भागवत स्वयं भगवान के मुख से नि:सृत कलीकाल का पंचम वेद है। इस कथा को ध्यानपूर्वक श्रवण करने से यह कथा भगवान श्री हरि के चरणों में अनुराग उत्पन्न कर मानव जीवन को धन्य कर देता है। कथा का प्रथम दिन होने से कलश यात्रा के कारण आज समय हो जाने पर आरती के बाद कथा का विश्राम किया जा रहा है।

छह फीट लंबी जटा और दाढ़ी वाले बाबा को देखने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गरियाबंद(विश्व परिवार)। 12 फरवरी से प्रारंभ हुए राजिम कुंभ कल्प मेला में 21 फरवरी से संत समागम प्रारंभ हो गया है। संत समागम में शामिल होने देश के विभिन्न क्षेत्रों से साधु-संत महात्मा पहुंचे हुए हैं। जहां संत होते है वहां सात्विक भाव और शांति होती है। उनके दर्शन से ही पुण्य फल की प्राप्ति होती है। संतो के अमृत वचनों से भटके हुए मन को नई दिशा मिलती है। जिनका आशीर्वाद पाने दूर-दूर से भक्त जन राजिम आ रहे है। त्रिवेणी संगम क्षेत्र में बने संत समागम स्थल पर श्रध्दालुओ की भीड़ देखी जा रही है। लोमष ऋषि आश्रम में एक ऐसे संत आए हैं, जिनका नाम है चंदन भारती। वे जुना अखाडा से है जिनके गुरू सुशील भारती जी है। महाराज जी की जटा और दाढ़ी 6 फीट की है। उन्होंने चर्चा के दौरान बताया कि वे प्रयागराज से सीधे राजिम कुंभ आए हैं। 2006 से प्रतिवर्ष राजिम कुंभ मेला में शामिल होते हैं। अपनी जटा के बारे में बताया की जो शिव जी के भक्त होते हैं, वे श्रद्धा भाव से जटा रखते है। साधु एक जगह स्थिर नही होते। वे साधना पूर्ण जीवन व्यतीत करते है। जंगल-झाडी में जहां मन लगता है, वहीं विश्राम कर लेते है। वे सुख-सुविधाओं को त्याग कर शिव भक्ति में लीन रहते है। शिव भक्तों में जटा के महत्व को बताते हुए कहा कि इन जटाओं को रखने के पीछे कई धार्मिक, वैज्ञानिक और अध्यात्मिक कारण होते है। कोई भी व्यक्ति सन्यास लेने के बाद ही साधु बनते है, जो की सांसारिक मोह-माया से दूर होते है। जप-तप और अनुष्ठान से श्रेष्ठ कार्य कर अपना जीवन ईश्वर की सेवा मे समर्पित करते है। साधु-संतो की जटाए उनके जीवन में त्याग-तपस्या पूर्ण जीवन शैली का प्रतीक है। उनकी जटाएं भगवान शिव के प्रति उनकी सच्ची अराधना को प्रदर्शित करते है।

व्यापार समाचार

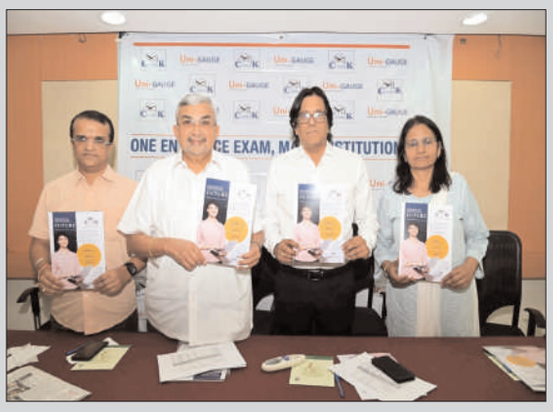

कॉमेडके/यूनिगेज यूजीईटी 2025 की प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन की तारीख घोषित

रायपुर। पिछले पांच दशकों में, कर्नाटक ने हायर एजुकेशन में अपने आप को हमेशा आगे रखा है, जिसने देश के सभी कोनों से बड़े बड़े सपने देखने वाले इंजीनियरों को आकर्षित किया है। राज्य में कई अच्छे कॉलेज हैं, जहां अलग-अलग तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। यहां के छात्रों को अच्छी नौकरियां भी मिलती हैं। इस स्ट्रोंग एजुकेशन सिस्टम की वजह से स्किल्ड लोग तैयार हो रहे हैं, जो देश और विदेश में कामयाबी हासिल कर रहे हैं। कॉमेडके यूजीइटी / यूनिगेज 2025 प्रवेश परीक्षा शनिवार, 10 मई, 2025 को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा कर्नाटक के 150 से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेजों और देशभर के 50 से ज्यादा प्राइवेट और सेल्फ- फंडेड यूनिवर्सिटीज में प्रवेश के लिए होती है।

इसे कुपेका (KUPECA) और यूनिगेज से जुड़े संस्थानों में बी.ई/बी.टेक में एडमिशन के लिए आयोजित किया जाता है। यह ऑनलाइन परीक्षा भारत के 200 से ज्यादा शहरों में 400 से अधिक सेंटर पर होगी। इसमें 1,20,000 से ज्यादा छात्र शामिल हो सकते हैं। देशभर के छात्र इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। छात्र 3 फ़रवरी 2025 से 15 मार्च 2025 तक www.comedk.org या www.unigauge.com पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 2022 में, कॉमेडके ने छात्रों की स्किल्स को सुधारने के लिए कई कोर्स प्रदान करके छात्रों को वर्कफोर्स के लिए तैयार करने के लिए 8 कॉमेडके केर्स (ऋ्रऋश्वस्) इनोवेशन हब पेश किए। कॉमेडके के अब कर्नाटक में 10 इनोवेशन हब हैं, जिनमें से 4 बेंगलुरु में और बाकी मैसूरु, कलबुर्गी, मैंगलोर, बेलगाम, तुमकुरु और हुबली में हैं। ये सेंटर 5,000 स्क्वायर फुट में फैले हैं और लकड़ी के रूटिंग, रैपिड प्रोटोटाइप, लेजर कटिंग, 3 डी प्रिंटर, एआर/वीआर टेकनीक आदि सहित मॉडर्न टूल्स से लैस हैं। इनोवेशन हब मॉडर्न सेक्टर जैसे - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग (एआईएमएल), रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), इनोवेशन और डिजाइन थिंकिंग (आईडीटी), कॉमेडके के एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी डॉ. कुमार ने कहा, कॉमेडके का मानना है कि किसी छात्र की योग्यता ही उसकी शिक्षा का आधार होनी चाहिए। कॉमेडके यूजीइटी परीक्षा फेयरनेस, ट्रांसपेरेंसी और ऑपर्च्यूनिटी देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस प्लेटफॉर्म से 150 से ज्यादा बेहतरीन कॉलेज छात्रों को प्रवेश देते हैं, और हम युवा प्रतिभाओं को अच्छी शिक्षा से जोड़ने पर गर्व महसूस करते हैं।

इलेक्रामा 2025 ने भारत के विद्युत उपकरण उद्योग को वैश्विक निर्यातक बनाने की ओर बढ़ाया बड़ा कदम

ग्रेटर नोएडा। इलेक्रामा 2025 भारत के ऊर्जा और विद्युत क्षेत्र के भविष्य को दिशा देने वाला प्रमुख मंच बना हुआ है। यहां उद्योग जगत, नीति निर्धारकों और विशेषज्ञों के बीच रणनीतिक चर्चाएं हो रही हैं, जिससे नई नीतियों और नवाचारों का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इस मंच पर उद्योग सहयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भारत वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सके। इलेक्रामा 2025 के पहले दिन आयोजित सीईओ राउंडटेबल ने ऊर्जा क्षेत्र के भविष्य पर एक महत्वपूर्ण संवाद की नींव रखी। इस सत्र में 120 से अधिक उद्योग जगत के दिग्गजों, नीति निर्धारकों और वैश्विक विशेषज्ञों ने भाग लिया और ऊर्जा रूपांतरण, स्मार्ट ग्रिड, स्वच्छ गतिशीलता (क्लीन मोबिलिटी) और एआई-संचालित विद्युत प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की। इन चर्चाओं ने इस बात को रेखांकित किया कि भारत अपनी ऊर्जा अवसंरचना (पावर इंफ्रास्ट्रक्चर) को मजबूत करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और नेट-ज़ीरो लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उद्योग और सरकार के बीच रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ा रहा है। इसी गति को बनाए रखते हुए, इलेक्रामा 2025 के दूसरे दिन मंच पर श्री पंकज अग्रवाल, सचिव, विद्युत मंत्रालय, और गुरदीप सिंह, सीएमडी, एनटीपीसी की उपस्थिति रही। इससे यह स्पष्ट हुआ कि सरकार भारत की ऊर्जा क्रांति को तेज़ी से आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्री पंकज अग्रवाल, सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, ने इलेक्रामा 2025 में उच्चस्तरीय चर्चाओं में भाग लिया। उन्होंने सीईओ राउंडटेबल में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां उन्होंने तकनीक-संचालित, सशक्त और सतत ऊर्जा क्षेत्र के लिए सरकार की दूरदृष्टि पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए। भारत के बदलते ऊर्जा परिदृश्य पर बात करते हुए, श्री पंकज अग्रवाल ने कहा, भारत वैश्विक स्तर पर विद्युत उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारे घरेलू विनिर्माण क्षमता में वैश्विक कंपनियों की गहरी रुचि दिख रही है। सरकार इस उद्योग को हरसंभव समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है—चाहे वह नीतिगत ढांचा हो, प्रमुख कच्चे माल तक पहुंच हो या परीक्षण अवसंरचना। इलेक्रामा 2025 जैसे मंच उद्योग जगत के नेताओं को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ कदम मिलाने और ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने का आदर्श अवसर प्रदान करते हैं। घरेलू विनिर्माण और स्वच्छ ऊर्जा निर्यात को बढ़ावा देने की सरकार की पहल को और मजबूत करते हुए, एनटीपीसी के सीएमडी, श्री गुरदीप सिंह ने ऊर्जा दक्षता बढ़ाने, नवीकरणीय क्षमता के विस्तार और एआई-संचालित विद्युत प्रबंधन समाधानों के एकीकरण पर एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

भारत को नीदरलैंड के खिलाफ घरेलू चरण का शानदार अंत करने की उम्मीद

महिला एफआईएच प्रो लीग

भुवनेश्वर(एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के घरेलू चरण का शानदार अंत करने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरेगी, क्योंकि वह 24 और 25 फरवरी को यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन नीदरलैंड का सामना करने के लिए तैयार है। मिश्रित परिणामों की एक श्रृंखला के बाद, सलीमा टेटे की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपनी हालिया गति को बनाए रखने और डच टीम को पछाड़कर बड़ा उलटफेर करने की कोशिश कर रही है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत इंग्लैंड पर 3-2 की रोमांचक जीत के साथ की, लेकिन 2-2 के नियमित समय के ड्रॉ के बाद 2-1 से शूटआउट में दूसरा गेम हार गया। स्पेन के खिलाफ, भारत काफी करीब पहुंच गया, लेकिन लगातार हार का सामना करना पड़ा, पहले 3-4 से हार गया और फिर एक कड़े मुकाबले में 1-0 से हार गया। जर्मनी के साथ अपने हालिया मुकाबलों में भारत को पहले चरण में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दूसरे चरण में 1-0 की मामूली जीत हासिल करते हुए शानदार वापसी की, जिससे नीदरलैंड के साथ इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। भारत वर्तमान में छह मैचों में सात अंकों के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है, और वे अपने आगामी मुकाबले में भी अपने उच्च मनोबल को बनाए रखना चाहेंगे। दूसरी ओर, नीदरलैंड्स अपने पिछले दो मैचों में इंग्लैंड को 5-1 और 6-0 से हराने के साथ शानदार फॉर्म में है। उन्होंने अपने छह मैचों में पांच जीत और सिर्फ़ एक हार दर्ज की है, जिससे वे 15 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर हैं। डच अपनी लय को बनाए रखने और प्रतियोगिता में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे। भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, नीदरलैंड दुनिया की सबसे मज़बूत टीमों में से एक है, और हम जानते हैं कि यह एक कठिन मैच होने वाला है। लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने और टूर्नामेंट के भारत चरण को शानदार तरीके से समाप्त करने के लिए प्रेरित हैं। जर्मनी के खिलाफ हमारी जीत ने हमें काफी आत्मविश्वास दिया है और हमने अपनी कमजोरियों को सुधारने पर काम किया है। कप्तान ने कहा, हम अपने पिछले मैच की तरह ही उसी तीव्रता और फोकस के साथ खेलने का लक्ष्य रखेंगे और हम अपने द्वारा बनाए गए अवसरों को भुनाने के लिए दृढ़ हैं। यह एक बड़ी चुनौती है, लेकिन एक टीम के रूप में, हम अपनी क्षमताओं पर विश्वास करते हैं और नीदरलैंड से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।

ग्लोब टेक्सटाइल्स कंपनी का तीसरी तिमाही परिणामों में 53.7 प्रतिशत का लाभ और 46.2 प्रतिशत के रेवेन्यू के साथ शानदार प्रदर्शन

अहमदाबाद: टेक्सटाइल उद्योग में अग्रणी कंपनियों में से एक ग्लोब टेक्सटाइल्स ने तीसरी तिमाही और नौ महीनों के फायनान्शियल रीजल्ट्स की घोषणा की है। कंपनी ने रेवेन्यू और प्रोफिट में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है, जो कंपनी की बिज़नेस स्ट्रेटेजी और ओपरेशन्स की सफलता दर्शाती है।

31 दिसंबर 2024 को खत्म हुए क्वार्टर के लिए रेवेन्यू 46.2 प्रतिशत 15,159.21 लाख हो गया जबकि पिछले वर्ष की इसी समयावधि में यह 10,367.19 लाख था। कंपनी का नेट प्रोफिट 53.7 प्रतिशत बढ़कर 291.42 लाख हो गया जो पहले 189.55 लाख था। 31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए, रेवेन्यू 20.8 प्रतिशत बढ़कर 42,397.79 लाख हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 35,095.74 लाख था। नेट प्रोफिट में 56.6 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई और यह 943.55 लाख हो गया, जो कंपनी का सतत ग्रोथ दर्शाता है। ग्लोब टेक्सटाइल्स के 4,504 लाख के राइट्स इश्यू को अपेक्षा से अधिक रीस्पोन्स मिला, जिससे निवेशकों का कंपनी के ग्रोथ और फायनान्शियल स्टेबिलिटी में मजबूत विश्वास झलकता है। जुटाये गये फंड का उपयोग बिज़नेस डेवलपमेन्ट, ऋ×ष्ठ और वर्किंग केपिटल के लिए किया जाएगा, जिससे इनोवेटिव और सस्टेनेबल सोल्यूशन्स के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि होगी। कंपनी के पर्फोर्मन्स पर टिप्पणी करते हुए, ग्लोब टेक्सटाइल्स के चेयरमैन और एम डी श्री भाविक पारिख ने कहा कि हमारा सतत मजबूत प्रदर्शन हमारी स्ट्रेटेजी, इफेक्टिव ओपरेशन्स और सतत ग्रोथ के प्रति स्ट्रोंग कमिटमेन्ट को दर्शाता है।

इंडिया मास्टर्स ने रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका को हराकर आईएमएल अभियान की शानदार शुरुआत की

नवी मुंबई(एजेंसी)। खेल के महारथियों ने पुराने स्ट्रोक, जोशीले स्पैल और अविस्मरणीय पलों को फिर से दोहराया और अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग 2025 (आईएमएल) के उद्घाटन संस्करण में इतिहास को फिर से लिखा। शनिवार को यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में इंडिया मास्टर्स ने एक रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका मास्टर्स को चार रन से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। दोनों पक्षों के दिग्गजों ने शानदार खेल दिखाया और मैच रोमांचक रहा, जिससे दर्शकों को आईएमएल के उद्घाटन सत्र में होने वाले रोमांचक क्रिकेट मैचों की झलक देखने को मिली। मैच की शुरुआत बल्लेबाजी के उस्ताद सचिन तेंदुलकर को उनके विपक्षी कुमार संगकारा द्वारा बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित करने से हुई, और इस प्रतिष्ठित बल्लेबाज ने दो चौके लगाकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई, इसके बाद स्टुअर्ट बिन्नी और यूसुफ पठान के शानदार अर्धशतकों और गुरकीरत सिंह मान और युवराज सिंह के शानदार प्रदर्शन ने मेजबान टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। अंबाती रायुडू के साथ पारी की शुरुआत करते हुए, सचिन खचाखच भरे दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच आगे बढ़े और आउट होने से पहले इसुरु उदाना के पहले ओवर में दो चौके लगाकर प्यार का बदला चुकाया। इसके बाद, स्टुअर्ट बिन्नी और गुरकीरत सिंह मान ने तीसरे विकेट के लिए 87 रनों की साझेदारी करके श्रीलंका के गेंदबाजों को परेशान कर दिया और मैच की लय स्थापित कर दी। बिन्नी ने 31 गेंदों पर सात गगनचुम्बी छक्कों और तीन चौकों की मदद से 68 रन बनाए, जबकि मान छह रन से अपना अर्धशतक चूक गए, लेकिन उनकी 32 गेंदों पर सात चौकों की मदद से टीम 12वें ओवर तक 113 रन तक पहुंच गई। उनके आउट होने के बाद, युवराज सिंह ने बिन्नी का साथ दिया और 33 रन जोड़े।

देश में 10 वर्षों में बिजली आपूर्ति में हुआ सुधार, 100 प्रतिशत घरों के विद्युतीकरण पर सरकार का फोकस : केंद्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। ग्रामीण क्षेत्रों में औसत बिजली आपूर्ति 2014 में 12.5 घंटे से बढ़कर 2025 में 22.6 घंटे और शहरी क्षेत्रों में इस वर्ष 23.4 घंटे हो गई है। यह जानकारी सरकार द्वारा दी गई। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, मनोहर लाल खट्टर ने कहा,हर किसी के लिए और हर समय बिजली उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है और सरकार का उद्देश्य पूरे देश में 100 प्रतिशत घरों का विद्युतीकरण करना है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जीवाश्म ईंधन आधारित पावर प्लांट की उत्पादन क्षमता 2014 में 168 गीगावाट से बढ़कर जनवरी 2025 में 246 गीगावाट हो गई है, जो कि 46 प्रतिशत की क्षमता वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि गैर-जीवाश्म आधारित ऊर्जा क्षमता 2014 में लगभग 80 गीगावाट से बढ़कर 2025 में लगभग 220 गीगावाट (31 जनवरी तक) हो गई है, जो लगभग 180 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। ट्रांसमिशन नेटवर्क के विस्तार के बारे में बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह 2025 में अब तक बढ़कर 4.92 लाख सीकेएम हो गया है, जो कि 2014 में 2.91 लाख सीकेएम था। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई), पीएम सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य), विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीवीटीजी) जैसी पहलों की मदद से पिछले 10 वर्षों में बिजली की पहुंच में काफी वृद्धि हुई है। मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत अब ऊर्जा का शुद्ध निर्यातक बन गया है और 2025 में अब तक 1,625 मिलियन यूनिट्स (एमयू) का निर्यात किया गया है। वहीं, 2014 में देश ऊर्जा का शुद्ध आयातक था। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, ऊर्जा की कमी 2014 में 4.2 प्रतिशत से घटकर 2025 में 0.1 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा ऊर्जा की कमी को दूर करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। करीब 2.13 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। 19.8 करोड़ स्मार्ट मीटर, 52.5 लाख डीटीआर और 2.1 लाख फीडर को मंजूरी दी गई है। सरकार का फोकस इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर है। 2030 तक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की सुविधा के लिए 1 लाख ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

भारती एयरटेल और एप्पल की रणनीतिक साझेदारी: एयरटेल वाई-फाई और पोस्टपेड ग्राहकों को मिलेगा एप्पल टीवी+ और एप्पल म्यूजिक का एक्सक्लूसिव ऑफर

नई दिल्ली: भारती एयरटेल और एप्पल ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है, जिसके तहत एयरटेल ग्राहकों को एप्पल टीवी+ और एप्पल म्यूजिक की सेवाएं प्रदान की जाएंगी। ?999 से शुरू होने वाले सभी होम वाई-फाई प्लान्स के ग्राहकों को एप्पल टीवी+ के बेहतरीन कॉन्टेन्ट का एक्सेस मिलेगा, जिसे वे चलते-फिरते भी मल्टीपल डिवाइसेस पर स्ट्रीम कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, ?999 या उससे अधिक के पोस्टपेड प्लान वाले ग्राहकों को एप्पल टीवी+ की सुविधा मिलेगी और वे 6 महीने तक फ्री एप्पल म्यूजिक का आनंद ले सकेंगे, जिसमें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संगीत का विशाल संग्रह उपलब्ध होगा। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत एयरटेल ग्राहक अब विशेष रूप से एप्पल टीवी+ के प्रीमियम और आकर्षक ड्रामा, कॉमेडी सीरीज़, फीचर फिल्में, डॉक्यूमेंट्रीज़, बच्चों और परिवार के लिए मनोरंजक कॉन्टेन्ट का आनंद ले सकेंगे। इसके साथ ही, एप्पल म्यूजिक की अंग्रेजी, हिंदी और अन्य भाषाओं में मौजूद अद्वितीय म्यूजिक लाइब्रेरी, एक शानदार ऑडियो अनुभव प्रदान करेगी। सिद्धार्थ शर्मा चीफ़ मार्केटिंग ऑफिसर और सीईओ ङ्क कनेक्टेड होम्स, भारती एयरटेल ने कहा, हम एप्पल के साथ इस बड़े बदलाव की शुरुआत करने वाली साझेदारी की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं, जिससे हमारे ग्राहकों को उनकी शानदार वीडियो और म्यूजिक सेवाओं का एक्सक्लूसिव एक्सेस मिलेगा।

शब्द सामर्थ्य -336

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे
1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

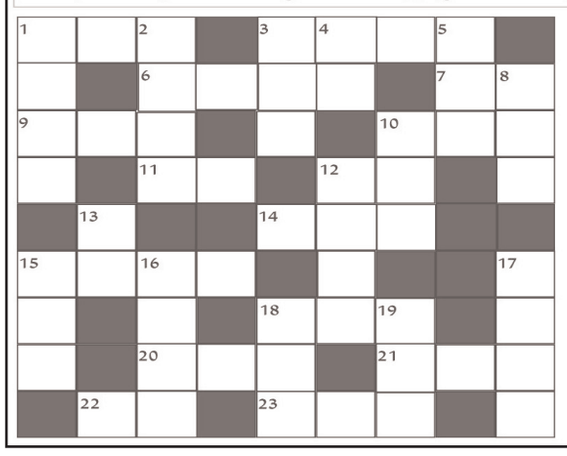

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 335 का हल

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
			आ	ग		दा	ना	
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

सू- दोकू क्र.336

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.335 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 25 फरवरी 2025

छत्तीसगढ़ी फिल्म यादव जी के मधु जी का प्रदर्शन 35 सिनेमाघरों में होगा 28 को

रायपुर (विसं)। निर्माता शिवाली सैनी और निर्देशक आदिल खान की नई छत्तीसगढ़ी फिल्म यादव जी के मधु जी का प्रदर्शन एक साथ 35 सिनेमाघरों में 28 फरवरी को होगा। फिल्म में सुनील चिपड़े, श्वेता पांडे, रोहित वैष्णव एवं वैष्णवी जैन मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म पारिवारिक एवं कामेडी से लवरेज है, फिल्म में संगीत आदित्य चक्रवर्ती ने दिया है। फिल्म में एक गीत छत्तीसगढ़ी त्यौहारों के अनुसार लिखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

एनएमडीसी बचेली में राजभाषा तकनीकी सेमिनार का आयोजन

बचेली (विश्व परिवार)। एनएमडीसी बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स में राजभाषा तकनीकी सेमिनार का आयोजन सोमवार को संपन्न हुआ। बचेली परियोजना प्रमुख श्री बी वेंकटेश्वरलु के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस निगम स्तरीय राजभाषा तकनीकी सेमिनार में एनएमडीसी की विभिन्न परियोजनाओं से प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस अवसर पर बचेली प्रतिबिंब पत्रिका का विमोचन किया गया। परियोजना द्वारा निर्धारित दो तकनीकी विषयों पर आयोजित किए गए इस राजभाषा सेमिनार में कुल 20 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बी वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक ने अपने उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए इस आयोजन को राजभाषा के साथ-साथ तकनीकी क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण आयोजन बताया।कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में श्री महेश नायर, महाप्रबंधक कार्मिक सह सर्वकार्यभारी अधिकारी (राजभाषा) ने मुख्य अतिथि व विभिन्न परियोजनाओं से पधारे आलेखदाताओं का स्वागत करते हुए पूर्व के वर्षों में आयोजित तकनीकी सेमिनारों की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन श्री सौरभ कुमार, उप महाप्रबंधक (कार्मिक) ने एवं कार्यक्रम संचालन श्री सौरभ चढ़ार, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने किया। इस कार्यक्रम में श्री पी रामय्यन, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), विभिन्न विभागाध्यक्षों एवं यूनियनों के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज-2025, एनआईटी रायपुर विजयी

रायपुर (विश्व परिवार)। 24 फरवरी 2025 को आयोजित एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज-2025 रायपुर क्षेत्रीय दौर मेंएनआईटी रायपुर विजयी हुआ, जिसने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि आईआईआईटी नया रायपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। एनटीपीसी नवा रायपुर द्वारा आयोजित इस क्विज में शीर्ष इंजीनियरिंग और प्रबंधन संस्थानों से भागीदारी देखी गई। एनटीपीसी लिमिटेड के जीएम (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस) श्री के एम प्रशांत ने क्विज मास्टर के रूप में कार्यक्रम का संचालन किया। भाग लेने वाली टीमों ने लिखित परीक्षा दी, जिसके बाद शीर्ष छह टीमों के बीच मल्टीमीडिया बजर राउंड हुआ। जबकि एनआईटी रायपुर के श्री अभिज्ञान वर्मा और श्री अभय सेन विजेता घोषित हुए और उन्हें तीस हजार रुपये का रोमांचक पुरस्कार मिला; एनआईटी रायपुर के श्री रुद्र कटरोडिया और श्री अंश श्रीवास्तव ने प्रथम रनर अप हासिल किया और उन्हें बीस हजार रुपये का पुरस्कार मिला। आईआईआईटी नया रायपुर के श्री अनिकेत पांडे और श्री आयुष यादव ने दूसरा रनर अप स्थान हासिल किया और उन्हें दस हजार रुपये का पुरस्कार मिला। समापन सत्र के मुख्य अतिथि श्री अखिलेश सिंह, मुख्य महाप्रबंधक-ओएस, निदेशक परिचालन सचिवालय ने श्री के एम प्रशांत के साथ विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रीय सेमीफाइनल और ग्रैंड फिनाले क्रमश: 27 और 28 फरवरी, 2025 को एनटीपीसी-पावर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (पीएमआई) में आयोजित किया जाएगा, जिसमें रायपुर राउंड की शीर्ष दो टीमें भाग लेंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी की

कृषि विवि में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पी.एम. किसान सम्मान निधि अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों को 22, 000 करोड़ की किसान सम्मान निधि की 19वीं किश्त आनलाईन हस्तातंरित की। कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री राम विचार नेताम ने की। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर.आर. सक्सेना, संचालक कृषि डॉ. सारांश मित्तर, कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, शिक्षक, अधिकारी एवं कृषि विभाग के अधिकारीगण उपास्थित थे। कार्यक्रम में रायपुर, बलोदाबाजार, गरियाबंद, महासमुंद, धमतरी, दुर्ग, राजनांदगांव, बेमेतरा एवं मुंगेली जिले के लगभग 1500 कृषक भी उपस्थित थे।

हाईब्रीड मोड पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऐसे पवित्र अवसर पर पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी करना उनके लिए सौभाग्य की बात है और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से लगभग 22, 000 करोड़ रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को अच्छे बीज, पर्याप्त और सस्ते उर्वरक, सिंचाई की सुविधाएं, पशुओं को बीमारियों से बचाने और आपदाओं के दौरान नुकसान से बचाने की जरूरत है। श्री मोदी ने कहा कि महामारी के बड़े संकट के दौरान भी सरकार ने सुनिश्चित किया कि किसानों को उर्वरकों की कोई कमी न हो। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि योजना की शुरुआत के बाद से छह वर्षों में लगभग 3, 7 लाख करोड़ सीधे किसानों के खातों में स्थानांतरित किए गए हैं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की कृषक हितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन के कारण छत्तीसगढ़ की खेती किसानी में खुशहाली आई है। उन्होंने बताया कि पी.एम. किसान सम्मान निधि की 19वीं किश्त में प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को लगभग 600 करोड़ रूपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में हस्तानंतरित किया गया है। उन्होंने इस अवसर पर कृषि विभाग की योजनाओं से लाभान्वित तीन कृषकों को 1.50 लाख का चेक प्रदान किया। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि किसानों को धान के अलावा अन्य फसलों की खेती करनी चाहिए जिससे किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सकेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ के कृषकों से आव्हान किया कि वे लघु धान्य फसलों की खेती अधिक से अधिक रकबे में करें। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों में पी.एम. किसान सम्मान निधि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का ऑनलाईन प्रसारण किया गया। इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्रों में 6 हजार से अधिक कृषकों ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को सुना।

कामाख्या मंदिर में महाशिवरात्रि पर 14 पारद शिवलिंगों का होगा अभिषेक

पं. आचार्य हिरेंद्र के नेतृत्व में होगा मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 26 फरवरी को गोधुलि बेला में शाम 4 बजे से देवेंद्र नगर फोकटपारा स्थित मां कामाख्या मंदिर में जन कल्याण के साथ सर्व मनोकामना सिद्धि के लिए 14 पारद शिवलिंगों का गंगाजल, दूध, दही, शहद, शक्कर से अभिषेक किया जाएगा। मनोकामना सिद्धि के लिए बेल पत्र में केशर चंदन से ओम नमः शिवाय लिखकर भगवान भूत भावन का अभिषेक होगा। साथ ही श्रद्धालुओं और मंदिर समिति के सदस्यों के कल्याणार्थ हवन-पूजन में आहूति देने का मौका दिया जाता है। मंदिर समिति हर साल महाशिवरात्रि पर प्रसादी वितरण करती है। मंदिर समिति के सचिव और प्रचार मंत्री मनोज रेलवानी ने बताया कि कामाख्या मंदिर की प्रसिद्धि गुवाहाटी के समान आंबूवाची पूजा हर साल पांच दिवसीय महोत्सव का आयोजन करती है। महाशिवरात्रि पर पारद शिवलिंग की पूजा अमिष्ट सिद्धि देने वाली होती है। पारद शिवलिंग में शिव-शक्ति, लक्ष्मी, कुबेर सहित तैंतीस कोटि देवी देवता का निवास होता है। पारद शिवलिंग को घर में स्थापित करने से भूमि दोष, पितृदोष, कुलदेवी-देवता दोष, नवग्रह दोष से होने वाली पीड़ा से मुक्ति मिलती है। साथ ही महाशिवरात्रि पर पारद शिवलिंग की पूजा-अर्चना-अभिषेक करने से लडक़े-लड़कियों के विवाह में होने वाली देरी से मुक्ति मिलने के साथ शीघ्र विवाह के योग बनते है। पं. हिरेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि पारद शिवलिंग और भगवान शिव में कोई अंतर नहीं है। इनका ध्यान करने से मन की चंचलता शांत होती है। पारद में एक अरब गुण होते है। शिवमहापुराण में पारद शिवलिंग के दर्शन, स्पर्श और पूजन से मिलने वाले फल के बारे में कहा गया है कि जो मनुष्य भक्ति भाव से रसलिंग बनाकर पूजन करता है वह तीनों लोकों में जितने शिवलिंग है उन सभी की पूजा के फल को प्राप्त करता है। स्वयंभू सहस्त्रों शिवलिंग की पूजा करने से जो फल प्राप्त होता है, उससे करोड़ गुना फल पारद शिवलिंग की पूजा से प्राप्त होता है। पं. हिरेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि इस भूमंडल पर केदारनाथ से लेकर जितने भी शिवलिंग है उन सबके दर्शन करने से जो पुण्य प्राप्त होता है वहीं पुण्य केवल पारद शिवलिंग के दर्शन मात्र से होता है। साक्षात भगवान शिव ने पार्वती से कहा है कि हे पार्वती जो मनुष्य हृदय कमल में स्थित पारद शिवलिंग का स्मरण करता है वह अनेक जन्मों के संचित पापों से तत्काल मुक्त हो जाता है। पारद शिवलिंग की महिमा का वर्णन इन शब्दों को पढक़र स्वत: श्रद्धा जाग्रत हो जाती है।

पंचायत चुनाव में भी खिला कमल, बालोद में पूर्व गृह मंत्री के भतीजे को दुर्गानंद साहू ने हराया

बालोद (विश्व परिवार)। बालोद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी कमल खिलता हुआ नजर आया। यहां पर ज्यादातर जिला और जनपद पंचायत की सीटों में बीजेपी अधिकृत प्रत्याशी ही जीते हुए नजर आए। यहां पर सबसे बड़ी खबर गुरूर जनपद से आई। जहां पर भाजपा ने 21 सीटों में से 18 सीटों में कब्जा किया। प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री के भतीजे तोषण साहू को भाजपा के दुर्गानंद साहू ने एक हजार 20 मतों से पटखनी दी। यह एक यह सबसे बड़ी जीत भाजपा की बताई जा रही है। दुर्गानंद साहू ने कहा कि 15 साल से पूर्व गृह मंत्री का भतीजा यहां राज कर रहा था। वो शासन काल एक भ्रष्ट शासन काल था।

भाजपा के नव निर्वाचित जनपद सदस्य जिन्होंने पूर्व गृह मंत्री के भतीजे को शिकस्त दी। उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि यहां पर जो जीत मुझे मिली है वो कार्यकर्ताओं और मतदाताओं की जीत है। इसके लिए मैं आभारी हूं। उनका जो कार्यकाल रहा है। भ्रष्टाचारी कार्यकाल रहा है और ये जो आज कांग्रेस की स्थिति है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री कहते हैं भारत से कांग्रेस को हटाना है तो पूर्व गृह मंत्री और दिग्गज नेता के भतीजे को हराकर मैने ये साबित कर दिया है कि कांग्रेस का सफाया हो चुका है।

उपाध्यक्ष के पद पर नजर- दुर्गानंद साहू ने जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष को हराया है और यहां पर हराने के साथ ही उनकी दावेदारी उपाध्यक्ष के सीट पर मानी जा रही है। अध्यक्ष पद के लिए यहां महिला सीट आरक्षित है। जिसके लिए रुक्मणि गंजीर का सामने आ रहा है तो वहीं उपाध्यक्ष के सीट के लिए दुर्गानंद साहू का नाम प्रमुखता से रखा जा रहा है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी को मिलेट्स के उत्पादन, खपत और आपूर्ति श्रृंखला पर अनुसंधान हेतु राज्य नीति आयोग द्वारा अनुबंध

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कला संकाय के अधिष्ठाता शिक्षाविद प्रो. मनीष कुमार पाण्डेय द्वारा राज्य नीति आयोग को प्रेषित अध्ययन प्रस्ताव 'असेसमेंट ऑफ़ कल्टीवेशन, प्रोडक्शन, कंजम्पशन, एन्ड एंट्रेप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट पैटर्न ऑफ़ मिल्लेट्स इन छत्तीसगढ़' को आयोग की उच्चस्तरीय अनुमोदन समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है। यह अध्ययन राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में श्री धान्य (मिलेट्स) के उत्पादन प्रक्रिया से लेकर आपूर्ति श्रृंखला के विविध आयामों पर केंद्रित है।

इस अध्ययन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में मिलेट्स (श्री अन्न) की खेती, उत्पादन, खपत और उद्यमिता विकास की मौजूदा स्थिति का व्यापक विश्लेषण करना है। इसके तहत मिलेट्स की आपूर्ति श्रृंखला पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे किसानों, उत्पादकों, प्रोसेसिंग इकाइयों और बाजारों के बीच समन्वय स्थापित किया जा सके। छत्तीसगढ़ सरकार मिलेट्स के उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। यह अध्ययन नीति-निर्माताओं को सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने, किसानों की आय बढ़ाने और मिलेट्स-आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने में मदद करेगा। इस उपलब्धि पर श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के प्रति- कुलाधिपति श्री एस.एस. बजाज, कुलपति प्रो. एस.के. सिंह, कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा एवं सम्पूर्ण विश्विद्यालय परिवार ने प्रो. पाण्डेय को शुभकामनाएं प्रेषित की।

शपथ ग्रहण से पहले रायपुर नगर निगम दफ्तर को गंगाजल से पवित्र करेंगी नवनिर्वाचित महापौर

रायपुर (विश्व परिवार)। मैं प्रयागराज गई थी, वहां से गंगाजल लेकर आई हूं और शपथग्रहण से पहले वाईट हाउस यानी रायपुर नगर निगम दफ्तर को इससे पवित्र करूंगी. ये कहना है राजधानी रायपुर की नई महापौर मीनल चौबे का, ये बातें उन्होंने मीडिया से खास बातचीत में कही है।

नगर निगम रायपुर में नए महापौर और पार्षदों के शपथ ग्रहण की तैयारियां तेज हो चुकी है. 27 फरवरी को नवनिर्वाचित महापौर मीनल चौबे और पार्षद शपथ लेंगे. नई पारी की शुरुआत से पहले महापौर मीनल चौबे रायपुर निगम में महाकुंभ से लाए जल को छिड़केंगी. गंगाजल से शुद्धिकरण के बाद वह कार्यभार संभालेंगी. इसे लेकर महापौर मीनल चौबे ने कहा कि गंगाजल से पवित्र करना हमारी आस्था का विषय है। मीनल चौबे ने कहा कि हम अगर गंगाजल लेकर आते हैं तो अपने घर में भी छिड़कते हैं. हमारा जो कर्म क्षेत्र है, वहां भी हम उसका छिड़काव करके काम की शुरुआत करेंगे। बता दें कि रायपुर नगर निगम में भी भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए 15 साल बाद महापौर पद पर कब्जा जमाया. महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने 153290 वोटों से चुनाव जीता.

रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग की तत्परता व सतर्कता से ट्रेन में छूटे हुए बैग, पर्स एवं मोबाइल को यात्रियों को सुपुर्द किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। रेल प्रशासन यात्रियों को बेहतर यात्रा सुविधा एवं हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है इसी संदर्भ रायपुर रेल मंडल के वाणिज्य विभाग के टीटीई की तत्परता व सतर्कता से ट्रेन में छूटे हुए बैग एवं मोबाइल को यात्रियों को सुपुर्द किया गया।

(1) दिनांक 23.02.2024 को गाड़ी संख्या 12823 छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस है यह ट्रेन दुर्ग जंक्शन से हजरत निजामुद्दीन के बीच चलती है ट्रेन निजामुद्दीन पहुंचने के बाद कोच एच-1 (II-1) के बर्थ 1, 2, 3 के नीचे एक लावारिस बैग मिला जिसे उप मुख्य टिकट निरीक्षक अशोक कुमार यादव एवं हरिवंश शर्मा ने अटेंडेंट अमित के द्वारा टीटीई रेस्ट हाउस निजामुद्दीन में रखवाया और तीनों बर्थ के पीएनआर पर यात्रा कर रहे यात्रियों को फोन लगाया तीनों ने बताया कि यह मेरा बैग नहीं है। उप मुख्य टिकट निरीक्षको ने निर्णय लिया कि इसको कंट्रोल को मैसेज देकर आर.पी.एफ. निजामुद्दीन के पास जमा जाने की प्रक्रिया हो रही थी तभी एक यात्री का फोन आया जिनका नाम अनुपम अवस्थी था जिसका बर्थ नंबर 1, 2, 4, 5 था उन्होंने कहा कि बैग मेरा है और मेरी मजबूरी है कि में निजामुद्दीन लेने नहीं आ पाऊंगा कृपया करके आप इस बैग को शहडोल रेलवे स्टेशन भिजवा देंगे तो वहां मेरा आदमी ले लेगा अशोक कुमार यादव सत्यापन करने के बाद पुन: बैग वापस लाये और उनके परिजन को सौंप दिया।

(2) दिनांक 24.02.2024 को ट्रेन नंबर 12854 भोपाल- दुर्ग अमरकंटक एक्सप्रेस में कोच संख्या बी-6 में बर्थ नंबर 33 के यात्री का बैग छूट गया था जिसके उपरांत रेल मदद के माध्यम से आरपीएफ भाटापारा को सुपुर्द कर दिया गया और ट्रेन 12854 के बी-6 के बर्थ नंबर 65 पर एक यात्री का मोबाइल छूट गया था रेल मदद के माध्यम से इस प्रकार वरिष्ठ टिकट परीक्षक आर के सिंह की सतर्कता से छूटे हुए बैग एवं मोबाइल को यात्री के परिजन को दे दिए गया। (3) दिनांक 20.02.2025 को ट्रेन नंबर 12853 दुर्ग-भोपाल अमरकंटक एक्सप्रेस के ए-1 कोच में एक महिला कटनी मुडवारा स्टेशन उतरी और अपना पर्स भूल गई थी उसके बैग को कटनी मुडवारा टी टी ई रेस्ट हाउस में उनके बेटे को सुपुर्द कर दिया गया। इनके द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के द्वारा प्रशंसा की गई।

छत्तीसगढ़ के 25.95 लाख किसानों को मिली पीएम किसान सम्मान निधि की राशि

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार के भागलपुर से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की। इसके तहत देश भर के 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 22,000 करोड़ रुपये अंतरित किए गए। इनमें छत्तीसगढ़ के 25 लाख 95 हजार 832 किसान शामिल हैं। इन किसानों खाते में 599 करोड़ 38 लाख रुपए की सम्मान निधि भेजी गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भी पीएम किसान सम्मान निधि कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में किसान सम्मान निधि प्राप्त करने वाले किसानों को बधाई दी और उन्हें सम्मानित भी किया। मुख्यमत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि अन्नदाताओं का सम्मान माँ अन्नपूर्णा के सम्मान की तरह है। चौदह महीनों के अंतराल में हमने किसान भाइयों के खाते में करीब एक लाख करोड़ रुपए भेजा है। अन्नदाताओं को अच्छा मूल्य मिलने से उनके जीवन खुशहाली आयी है। किसान आधुनिक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। किसानों की समृद्धि से ही मजबूत ग्रामीण विकास का आधार तैयार हुआ है और शहरी अर्थव्यवस्था भी इससे बेहतर हुई है। अन्नदाताओं के श्रम से मिली शक्ति और उत्साह से ही हम छत्तीसगढ़ को संवार रहे हैं। विकसित छत्तीसगढ़-विकसित भारत बनाने में किसानों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है।

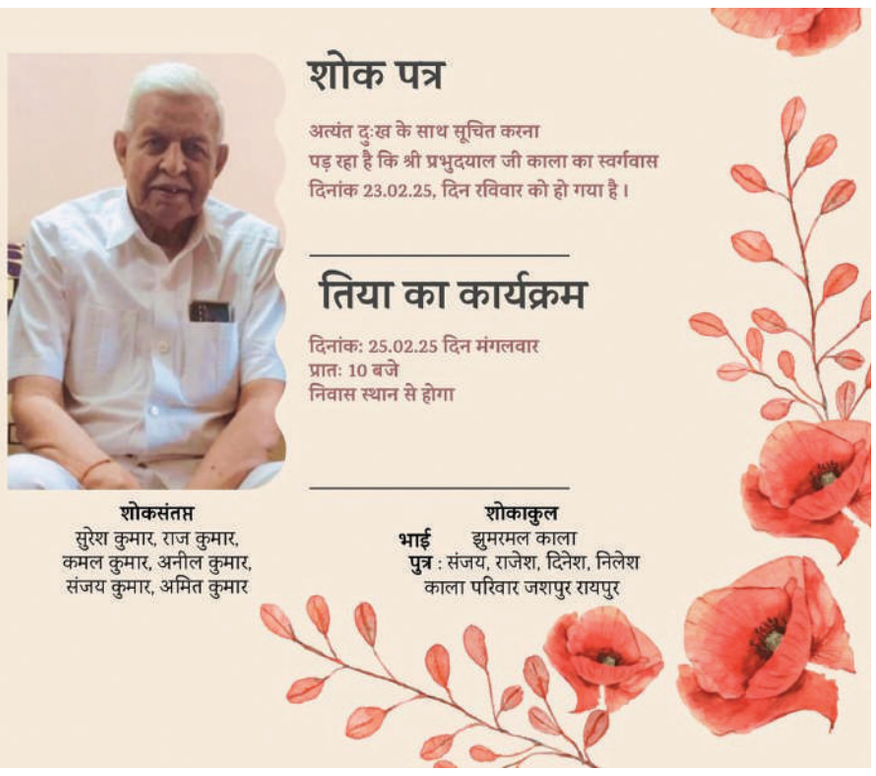

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354